नई दिल्ली, रविवार 4 अक्टूबर 2026 ■ अश्विन मास कृष्ण पक्ष-08/09 ■ वर्ष : 30, अंक : 167 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 मौसम अधि. 36.0 न्यून. 24.0 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



अमन सहरावत
कुश्ती 57 किग्रा



कुमकुम मोहोद
तीरंदाजी महिला रिकर्व व्यक्तिगत

44 साल में पहली बार करिश्मा

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एक साथ एशियाड में जीता सोना, ओलंपिक कोटा भी मिला

दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : 2023 में 28 जीते थे इस बार कुल 85 मेडल, टैली में चौथा स्थान

पुरुष हॉकी टीम
फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 1982 में महिला हॉकी के एशियाड में आने के बाद यह पहली बार है जब दोनों भारतीय टीमों ने एक ही एशियन गेम्स में गोल्ड जीता और इसी के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी हासिल किया।

भारतीय हॉकी के लिए एशियन गेम्स 2026 ऐतिहासिक बन गया है। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एक ही एशियाड में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दोनों टीमों ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई भी कर लिया। 1982 से महिला हॉकी एशियन गेम्स का हिस्सा है, जबकि पुरुष हॉकी 1958 से एशियन गेम्स का हिस्सा है। 1982 से अब तक 44 साल में यह पहली बार है जब भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने एक ही एशियन गेम्स में स्वर्ण जीता और साथ-साथ ओलंपिक का टिकट कटाया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने फाइनल में मौजूदा चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की ओर से लालरेमसियामी ने अपने 200वें अंतरराष्ट्रीय मैच में 10वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय डिफेंस ने चीन के लगातार हमलों का मजबूती से सामना किया। गोलकीपर सविता पुनिया ने भी ▶▶ शेष पेज 5 पर

पुरुष क्रिकेट टीम
फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराया

एशियाड में भारत 21 गोल्ड जीता



प्रणवी उर्स
गोल्फ महिला व्यक्तिगत (पहली भारतीय महिला गोल्फर)

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

नायरा एनर्जी ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी की है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम 5 रुपए और डीजल के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए हैं। नई दरें 3 अक्टूबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। अब पेट्रोल 100.71 रुपए और डीजल 91.31 रुपए प्रति लीटर के भाव मिलेगा। इस बढ़ोतरी का कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेलकी कीमतों में आई तेजी है।



43वीं मंजिल से कूदा युवक शरीर के हो गए कई टुकड़े

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-94 में एक ऊंची इमारत से गिरकर युवक की मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान संभव जैन के रूप में हुई है, जो हरियाणा के गुरुग्राम स्थित आईएमटी मानेसर का रहने वाला था। संभव पिछले चार दिनों से घर से गायब था और आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहा था। पुलिस को उसके पिता के साथ हुई कुछ चैट भी मिली हैं। मौत के पीछे की असली वजह पता नहीं चली।



ये जानकारी वायुसेनाप्रमुख ने शनिवार को राजधानी में हुए वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में दी है

वायुसेना को नुकसान पहुंचाती नए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में हो रही देरी: एयरचीफ मार्शल सिंह

- पाकिस्तान की चीन से जारी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की खरीद की कोशिश भारत के लिए चिंता का सबब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दो मोर्चों से जुड़ी युद्ध की साझा चुनौती और वायुसेना में तेजी से घटती लड़ाकू विमानों की संख्या के बीच वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने शनिवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का नाम लिए बिना कहा कि नए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी वायुसेना को दुखी करने के साथ ही नुकसान भी पहुंचा रही है। जबकि बल को अपनी क्षमता संबंधी कमियों को दूर करने और दीर्घकालिक युद्धक क्षमता को 360 डिग्री मजबूत बनाने के लिए सालाना उत्पादन के साथ 36 से 40 विमानों को वायुसेना में आधिकारिक रूप से शामिल करने की आवश्यकता है।

इस दृष्टिकोण से देखें तो हर साल हमारे पास लड़ाकू विमानों की 2 स्क्वाड्रन (1 स्क्वाड्रन में होते हैं 16 से 18 विमान) तो आनी ही चाहिए। यह जानकारी वायुसेनादिवस के पूर्व में 3 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित किए गए वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में वायुसेनाप्रमुख ने दी है।



एम्का में देरी पर अन्य विकल्प खुले

उन्होंने कहा कि अगर उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एम्का) कार्यक्रम में देरी होती है तो वायुसेना को किसी अन्य प्लेटफार्म पर विचार करना पड़ सकता है।

30 पर जा पहुंची लड़ाकू विमान स्क्वाड्रन

उन्होंने ये भी साफ किया कि समग्र सैन्य शक्ति के मद्देनजर वायुसेना व उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण बनी हुई है। लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि वायुसेना को अपनी ताकत को और अधिक बढ़ाने की जरूरत है। हवाई सुरक्षा बल के पास अभी लड़ाकू विमानों की कुल 30 स्क्वाड्रन ही बाकी बची हुई हैं। लेकिन इन सबके बीच हमारी कोशिश हर हाल में यही है कि हम इसे 30 से नीचे न जाने दें। जिसके लिए हमारी स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस मार्क1ए, नए बहुआयामी लड़ाकू विमान (एमआरएफए) और अतिरिक्त सुखोई-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों की समय पर की जाने वाली आपूर्ति पर निर्भरता बनी हुई है। मिग-21 विमानों को पिछले साल वायुसेना से सेवानिवृत्त किया गया। जबकि हम दो-तीन साल पहले ऐसा करना चाहते थे। देरी हमेशा नुकसानदायक होती है। लेकिन मौजूदा प्रगति से लगता है कि उक्त अंतर को भरा जा सकता है। ज्ञात हो कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

एमआरएफए डील को देंगे अंतिम रूप

एयरचीफ मार्शल सिंह ने कहा कि अगर सब कुछ तय योजना के हिसाब से आगे बढ़ा तो हम मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक बहुप्रतीक्षित बहुआयामी लड़ाकू विमान (एमआरएफए) सौदे को अंतिम रूप देंगे। जिसका संबंध फ्रांस-भारत की सरकारों के बीच होने वाले 114 राफेल विमानों की खरीद के समझौते से है। सौदे की अनुमानित कीमत 3.25 लाख करोड़ रुपए है। फ्रांसीसी कंपनी डेसॉल्ट एविएशन एक भारतीय साझेदार कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों का देश के ▶▶ शेष पेज 5 पर

पृथक ड्रोन फोर्स नहीं चाहिए

उन्होंने कहा कि वायुसेना ड्रोन या लॉयटरिंग म्यूनिशन की संख्या बढ़ाकर इस्तेमाल कर रही है। लेकिन हमें अलग से किसी ड्रोन फोर्स की आवश्यकता नहीं है। हम इन मानवरहित प्लेटफार्म का इस्तेमाल अपनी हथियार प्रणालियों के साथ एकीकृत करते हुए करना चाहते हैं। हवाई रक्षा बल के लिए ड्रोन किसी क्रांतिकारी बदलाव के माफिक नहीं हैं। बल्कि इसे हम विकास प्रक्रिया के एक भाग के रूप में ही देखते हैं।

लॉयटरिंग म्यूनिशन ने मचाया हाहाकार

वायुसेनाध्यक्ष ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने दुश्मन के लड़ाकू विमानों पर निशाना साधा। साथ ही लॉयटरिंग म्यूनिशन ने सीमापार पाकिस्तान में हाहाकार मचा दिया था। हमारी इस हथियार प्रणाली ने उनकी एयर डिफेंस प्रणाली को नेस्तनाबूद किया। चीन के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और पाकिस्तान को उसे प्राप्त करने की कोशिशें भारत के लिए चिंता का सबब बनी हुई हैं। लेकिन हम सभी ने देखा है कि ऑपरेशन सिंदूर में वे कुछ खास नहीं कर पाए।

कैप्टन मच्छार को किया सलाम

एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने फ्लाईदुबई विमान हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार द्वारा प्रदर्शित किया गया साहस सराहनीय है। हर भारतवासी को उन पर गर्व है। वायुसेना में ऐसी कोई वारदात होने का फिलहाल कोई खतरा नहीं है। क्योंकि सशस्त्र सेनाओं में कर्मी आमतौर पर एक-दूसरे के ज्यादा करीब होते हैं। वायुसेना के आधुनिकीकरण को लेकर उन्होंने कहा कि हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से सुसज्जित वायुसेना बनानी होगी। जहां एआई हमारी मदद करेगी लेकिन अंतिम निर्णय लेना इंसान के हाथ में ही होगा। आत्मनिर्भरता अब मजबूरी बन गई है। वायुसेना एचएएल और एडीए को पूरा समर्थन देगी। विमानों के इंजन के देश में उत्पादन पर भी एयरचीफ मार्शल सिंह ने जोर दिया है।



केंद्रीय मंत्री शाह ने भेल दशहरा मैदान में राज्य स्तरीय गो-पालक सम्मेलन में कहा

मप्र के गोपालक प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन करें

शाह ने गो-पालक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व मप्र सरकार की खूब तारीफ की



हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पशुधन (लाइव स्टॉक) और दुग्ध उत्पादन देश के किसानों और गोवंश पालकों की समृद्धि का प्रमुख आधार है। पशुधन जितना होगा, उतनी ही समृद्धि होगी। किसानों और पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि ही हमारा लक्ष्य है। पशुधन से दुग्ध उत्पादन और दुग्ध उत्पादन से ही गोपालकों के घर समृद्धि आती है। दुग्ध उत्पादन किसानों और पशुपालकों की आय का बड़ा जरिया है। शाह ने मप्र के सभी गोपालकों से प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन का बड़ा लक्ष्य लेकर चलने की अपील करते हुए कहा कि सब मिल-जुलकर एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी यह लक्ष्य हासिल होगा। केंद्रीय मंत्री शाह शनिवार को भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय गो-पालक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वे शुक्रवार को ही देर रात भोपाल पहुंचे थे। उन्होंने सुबह वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अफसरों के साथ ▶▶ शेष पेज 5 पर

दूध उत्पादन में अब देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य है मप्रः सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र नई दुग्ध क्रांति की ओर बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है कि देश का अधिकतम दुग्ध उत्पादन मप्र की धरती पर हो। उन्होंने कहा कि स्वयं केंद्रीय सहकारिता मंत्री की उपस्थिति में यहां अद्भुत राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन आयोजित किया गया है। प्रदेश में 80 लाख से अधिक गोपालकों का विशाल समृद्ध परिवार है। राज्य सरकार ने गरीब युवा महिला और नारी शक्ति के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। किसान कल्याण वर्ष में हमने 17 विभागों को एक साथ जोड़ा है। किसानों की समृद्धि और ▶▶ शेष पेज 5 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा भवन में दी मुलाकात की जानकारी

हरियाणा के सभी मंत्रियों और विधायकों से प्रधानमंत्री की मुलाकात ऐतिहासिक और प्रेरणादायकः नायब



हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ प्रदेश के मंत्रियों और विधायकों की मुलाकात ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही। प्रधानमंत्री ने हरियाणा के विकास, जनसेवा और संगठन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन हमारा संकल्प है, जिसे हम सभी धरातल पर उतारने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद नई दिल्ली के हरियाणा भवन में प्रेसवार्ता के दौरान बोल रहे थे। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ▶▶ शेष पेज 5 पर

सेवा संकल्प अभियान का समापन...

7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सीएम के रूप में शपथ ली थी, 2026 में 25 वर्ष पूरे हो रहे

वडनगर में शिवराज, शुभेंदु-भूपेंद्र काशी में नितिन, योगी और हिमंता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर से उनकी कर्मभूमि काशी तक निकली 'सेवा संकल्प यात्रा' का 7 अक्टूबर को भव्य समापन होगा। इस अवसर पर काशी में भाजपा बड़े सार्वजनिक आयोजन के जरिए अभियान का समापन करेगी



नितिन नवीन



शिवराज सिंह चौहान



शुभेंदु अधिकारी



योगी आदित्यनाथ



हिमंता बिस्वा शर्मा

विशेष संवाददाता ▶▶ नई दिल्ली

खास बात यह है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन की काशी में यह पहली बड़ी जनसभा होगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। जगतपुर इंटर कॉलेज मैदान में होने वाली इस सभा में करीब 50 हजार लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिन से शुरू हुई यह यात्रा उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' का प्रमुख हिस्सा है। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस लिहाज से 7 अक्टूबर 2026 को उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भाजपा ने इस अवसर को 'जन्मभूमि से कर्मभूमि' तक की यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया है। यात्रा की शुरुआत 17 सितंबर ▶▶ शेष पेज 5 पर

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मध्यस्थता करने का इच्छुक भारत, सौंपा प्रस्ताव

2022 से चल रहे इस युद्ध के दौरान पहला मौका जब नई दिल्ली ने की है यह महत्वपूर्ण पहल

यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सबिहा ने की इस तथ्य की पुष्टि, बोले-कीव को मिला भारत का व्यापक प्रस्ताव



फाइल फोटो

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पहली बार सक्रिय रूप से मध्यस्थता करने का एक प्रस्ताव दिया है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत मास्को-कीव की जंग में संघर्षविराम को लेकर जारी वार्ताओं के बीच मध्यस्थता करने का इच्छुक है। जिसे लेकर उसने यूक्रेन को एक प्रस्ताव भी सौंपा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सबिहा ने इस तथ्य की सार्वजनिक रूप से मीडिया में दिए गए एक बयान के जरिए पुष्टि करते हुए बताया कि यूक्रेन को ▶▶ शेष पेज 5 पर

डीयू: हिंदी पखवाड़ा माह 2026 के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। पीजीडीएवी महाविद्यालय हिंदी विभाग की 'चिंतन' हिंदी साहित्य सभा ने हिंदी पखवाड़ा माह 2026 के अंतर्गत महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में संगोष्ठी का आयोजन किया। इसका विषय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मीडिया जगत की हिन्दी: चुनौतियाँ और संभावनाएं' रहा। संगोष्ठी का शुभारंभ गरिमामयी वातावरण में हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार द्वारा मुख्य अतिथि प्रो. निरंजन कुमार वरिष्ठ प्रोफेसर हिंदी विभाग एवं डीन प्लानिंग दिल्ली विश्वविद्यालय; मुख्य वक्ता राम अवतार बैरवा सहायक निदेशक, आकाशवाणी दिल्ली का स्वागत अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और सैपलिंग देकर किया गया। मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. निरंजन कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में 'निज भाषा' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चीन और इजरायल जैसे देशों ने अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता देकर विश्व में सशक्त और समृद्धशाली पहचान हासिल की है। उन्होंने हिंदी को ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हिंदी ही नहीं अन्य भारतीय भाषाओं के अध्यापन पर बहुत बल दिया गया है। निरंजन ने विभिन्न संदर्भों उदाहरणों के माध्यम से हिंदी के महत्व और उपयोगिता की जानकारी दी। राम अवतार बैरवा ने हिंदी और प्रकृति के गहरे संबंध को रेखांकित करते हुए मीडिया में ईमानदारी और तटस्थता बनाए रखने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए।

18 लाख से ज्यादा की नकली करेंसी बरामद

नकली नोटों के रैकेट से जुड़े चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



पश्चिमी जिले की एंटी नारकॉटिक्स स्क्वाड ने 500 और 100 के नोटों की खेप जब्त की है। इस सिलसिले में चार लोग गिरफ्तार किये गये। इनसे कुल 18 लाख 23 हजार 800 रुपये नकली करेंसी बरामद हुई। नकली नोट बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक लैपटॉप, एक हार्ड डिस्क और प्रिंटिंग का सामान व मशीनरी भी जब्त की गई।

डीसीपी वेस्ट हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार 1 अक्टूबर को हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण और विनोद, जनकपुरी के सी-2सी ब्लॉक इलाके में गेट नंबर दो के पास गश्त कर रहे थे। उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा जो पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। स्टाफ ने उसे पकड़ पहचान सुनिश्चत की। शख्स का नाम 25 वर्षीय अंकित कुमार पता चला। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 के 250 नकली नोट बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत सवा लाख थी। एफएसएल एक्सपर्ट ने मौके पर ही नोटों की जांच की और उनके नकली होने की पुष्टि की। एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड के इंचार्ज इंस्पेक्टर अमित धानी और एसीपी ऑपरेशन्स राजेश कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पूछताछ के दौरान अंकित ने बताया कि उसने नकली नोट गगनदीप सिंह उर्फ मन्नी और कुलवंत सिंह उर्फ काके से लिए थे। दोनों पटेल नगर के रहने वाले हैं। टीम ने बलजीत नगर, पटेल नगर से 31 साल के गगनदीप सिंह उर्फ मन्नी और 44 साल के कुलवंत सिंह उर्फ काके को भी अरेस्ट कर लिया। इनकी निशानदेही पर गली नंबर 21, बलजीत नगर, पटेल नगर में उनके किराए के कमरे की तलाशी ली गई। तलाशी में 16,98,800 रुपये की फेस वैल्यू वाले तैयार और आधे-अधूरे नकली नोट बरामद हुये। जांच के दौरान मकान मालिक अमित (34) को भी पकड़ा गया। उसे इन गतिविधियों के बारे में पता था और बाद में वह नकली नोट बनाने में आरोपियों के साथ शामिल हो गया।

मोती नगर में 30 लाख की लूट निकली फर्जी

- शिकायतकर्ता ने ही मालिक के पैसे हड़पने की रची थी साजिश, साथी भी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



मोती नगर थाना अंतर्गत 30 लाख की लूट का मामला फर्जी निकला। दरअसल शिकायतकर्ता ने ही अपने मालिक का पैसा हड़पने के लिये फर्जी लूट की योजना अपने साथी के साथ मिलकर बनाई थी। पुलिस ने परवीन मल्होत्रा और साथी परवीन को भी गिरफ्तार कर लिया है। 30 लाख रुपये भी बहादुरगढ़ से बरामद हो गये।

डीसीपी वेस्ट हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि शुक्रवार 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर मोती नगर थाने को जखीरा फ्लाईओवर के पास लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। कॉल मिलने पर आईओ एसआई अंकुर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शिकायतकर्ता परवीन मल्होत्रा मौके पर मिले, जो मदन लाल प्लास्टिक, टिकरी कलां में कैश कलेक्शन कर्मचारी के तौर पर काम करते थे। उन्होंने बताया कि 1 अक्टूबर को उन्होंने अपने मालिक के निर्देश पर तीन जगहों से 30 लाख इकट्ठा किए थे। अपनी मोटरसाइकिल से लौटते समय काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने उन्हें रोका और कैश बैग छीन ब्लेड से उनकी छाती पर चोट पहुंचाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएचओ सुनील कुमार और पंजाबी बाग एसीपी जय प्रकाश के नेतृत्व में एसआई अंकुर, अमित, हेड कांस्टेबल राजेंद्र, सतबीर और कांस्टेबल नरेश की एक समर्पित टीम बनाई गई। जांच के दौरान टीम ने देखा कि छाती पर चोट होने के बावजूद शिकायतकर्ता की शर्ट पर कोई कट का निशान नहीं था। बताई गई जगह और समय के कैमरा फुटेज से भी उसकी बात की पुष्टि नहीं हुई। उसके रास्ते की और विरोधाभासी बयानों की आगे की जांच से शक पैदा हुआ। लगातार पूछताछ करने पर शिकायतकर्ता ने खुलासा किया कि उसने 30 लाख हड़पने के लिए फर्जी लूट की योजना बनाई थी। उसने केशव पुरम मेट्रो स्टेशन पर कैश वाला बैग अपने दोस्त परवीन को सौंपा था। इसके बाद उसने रेजर ब्लेड से खुद को घायल कर लिया और पीरागढ़ी मेट्रो स्टेशन के पास अपना मोबाइल तोड़कर फेंक दिया। इसके बाद टीम ने बहादुरगढ़ में उसके साथी के घर पर छापा मारा और 30 लाख बरामद किए।

बड़ी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद, तीन लोग पकड़े



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी उत्तरी जिले की एएचटीयू टीम ने एक गोदाम और दो वाहनों से 2101 किलोग्राम अवैध पटाखे जब्त किए है। इस सिलसिले में तीन लोगों को पकड़ा गया। पकड़े गये लोगों के नाम मनोज कुमार, अमित गुप्ता और सुनील बताये गये।

पुलिस के अनुसार अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 के रास्ते हरियाणा से दिल्ली में पटाखों की एक बड़ी खेप लाए जाने के संबंध में सूचना मिली थी। एक अक्टूबर को बवाना में दो टेम्पो को रोका गया। इनमें 1350 किलोग्राम पटाखे रखे हुए थे। दोनों वाहन चालकों को पकड़ लिया गया है। जांच के दौरान अलीपुर में एक अतिरिक्त गोदाम का पता लगा, जहां से 751 किलोग्राम पटाखे और जब्त हुये। गोदाम में तिलक नगर निवासी मनोज कुमार (34) मौजूद था। अन्य दो के नाम बिंदापुर, उत्तम नगर निवासी अमित गुप्ता (42) और बिंदापुर निवासी सुनील (42) पता चलें।

नकली दस्तावेजों से लोन धोखाधड़ी, मुख्य आरोपी अरेस्ट



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तरी जिले की साइबर पुलिस ने नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके लोन धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसने एक महिला उद्यमी की कंपनी के नाम पर 7.30 लाख का अनधिकृत बिजनेस लोन लिया था।

पुलिस के अनुसार जांच में आरोपियों का पता सोनीपत और द्वारका में चला। लोन लेने वालों को निशाना बनाने के लिए टेलीग्राम ग्रुप्स का इस्तेमाल किया गया था। आरोपी कथित तौर पर मंजूर की गई राशि का 30 प्रतिशत कमीशन के तौर पर लेते थे। लिंक किए गए बैंक खातों में 5.3 करोड़ से ज्यादा के कुल डेबिट/क्रेडिट ट्रांजेक्शन का पता चला। अलग अलग राज्यों से साइबर धोखाधड़ी की छह शिकायतें इनसे लिंक पाई गई। दो मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड भी आरोपियों से बरामद किये गये। आगे के कनेक्शन का पता लगाने के लिए डिजिटल सबूतों की जांच की जा रही है।

लोन अप्लाई करते समय हुआ धोखाधड़ी का खुलासा

पुलिस के अनुसार बुराड़ी की रहने वाली महिला से शिकायत मिली थी। मेडिनेक्स हर्बो केयर की प्रोपराइटर इस महिला ने आरोप लगाया कि बिजनेस लोन लेने के लिए उनकी पहचान और कंपनी के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल किया गया। जुलाई 2025 में उन्हें एक कॉल आया जिसमें बताया गया कि दिसंबर 2023 में उनकी कंपनी के नाम पर 7.30 लाख का लोन लिया गया था और इसे कोटक महिंद्रा बैंक के एक खाते में जमा किया गया था। चूंकि उन्होंने न तो लोन के लिए आवेदन किया था और न ही लोन लिया था, इसलिए उन्हें कॉल धोखाधड़ी वाला लगा और शुरू में उन्होंने कोई और कार्रवाई नहीं की। जनवरी 2026 में अपनी बेटी के लिए एजुकेशन लोन के लिए अप्लाई करते समय उन्हें पता चला कि उनकी कंपनी के नाम पर 'लेंडिंगकार्ट फाइनेंस लिमिटेड' से मंजूर हुए एक अनऑथराइज्ड बिजनेस लोन की वजह से उनके सिबिल स्कोर पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोन लेने और उसकी रकम को उनके नाम पर खोले गए एक बैंक अकाउंट में जमा करने के लिए उनके पैन, जीएसटी डिटेल्स, सिग्नेचर और दूसरे डॉक्यूमेंट्स का धोखाधड़ी से इस्तेमाल किया गया, जबकि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी। इसके बाद मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। सबसे पहले नाहरा, सोनीपत में रेड कर 36 साल के साहिल को पकड़ा। उसने रकम का 30 प्रतिशत कमीशन के तौर पर लिया था। इसके बाद द्वारका के कैलाश पुरी में एक रेड के दौरान 34 साल की एक महिला मिली और उसे इस मामले में पाबंद किया गया।

रात को मौसम में आने लगा बदलाव, न्यूनतम पारा हो रहा है 25 डिग्री के करीब दर्ज

नई दिल्ली। मानसून की विदाई के बाद अब राजधानी में रात के समय मौसम में बदलाव आने लगा है। मौसम के बदले मिजाज के चलते न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। जिससे रात के समय हल्की गुलाबी ठंडक ने दस्तक देनी शुरू कर दी है। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि रिज एरिया में सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.1 डिग्री नीचे है। सामान्य तौर पर घरों में चलने वाले एसी का तापमान 20-25 डिग्री रखा जाता है। यानी कहा जा सकता है कि रात को गुलाबी ठंड के चलते कई लोगों ने एसी चलाना कम कर दिया है। रात की गुलाबी ठंड की दस्तक के बावजूद दिन के समय अभी भी सूरज के तेवर नर्म नहीं कहे जा सकते। शनिवार को अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.9 डिग्री ज्यादा है। हालांकि अभी बारिश के आसार दिखाई नहीं दे रहे। किंतु आईएमडी ने अनुमान व्यक्त किया है कि 6 से 8 अक्टूबर के दौरान दिल्ली सहित कई राज्यों में मानसून बाद की बारिश देखने को मिल सकती है। आईएमडी ने अनुमान में कहा है कि वीकेंड यानी रविवार 4 अक्टूबर को भी दिल्ली का आसमान साफ रहने की उम्मीद है। जबकि अधिकतम तापमान 34 – 36 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23 – 25 डिग्री के बीच रह सकता है। बता दें कि दिल्ली से मानसून की विदाई दो दिन पहले ही 23 सितंबर को हो चुकी है। इस बार दिल्ली में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई।

एनडीएमसी सुविधा कैंप में आईं 91 जन शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शनिवार को जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में अपने मासिक सुविधा कैंप का आयोजन किया। इस सुविधा कैंप में 91 जन-शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर संबंधित विभागों द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई। अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, उद्यान, जन स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित थीं। शिकायत पंजीकरण के अलावा, बड़ी संख्या में नागरिक एनडीएमसी द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न नागरिक सेवाओं और नागरिक कल्याण पहलों के बारे में मार्गदर्शन और जानकारी प्राप्त करने के लिए भी कैंप में आए। सचिव, एनडीएमसी, श्री राहुल सिंह ने सुविधा कैंप में 30 विभागों के 100 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम का नेतृत्व किया और शिकायतों के निस्तारण की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की। उन्होंने नागरिकों से संवाद किया, प्राप्त शिकायतों की प्रकृति की समीक्षा की और विभागाध्यक्षों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रणालीगत समाधान के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि नागरिक संतुष्टि सेवा वितरण का मूल आधार होनी चाहिए। उन्होंने त्वरित और अधिक पारदर्शी समाधान के लिए जन सुविधा पोर्टल का लाभ उठाने पर बल दिया। एनडीएमसी के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि नागरिकों और कर्मचारियों को शासन के केंद्र में रखते हुए, एनडीएमसी ने एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में अपने मासिक सुविधा कैंप का आयोजन किया। सुविधा कैंप सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण के लिए हमारा सिंगल-विंडो मंच है, जो निवासियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि कैंप के लिए हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत मामलों का त्वरित समाधान, बार-बार आने वाली शिकायतों का मूल कारण विश्लेषण और सेवा वितरण में प्रणालीगत सुधार लाना होंगे। द्विवेदी ने आश्वस्त किया कि आज की प्रतिक्रिया और समीक्षा के आधार पर, हम सुविधा कैंप में उपयुक्त बदलाव करेंगे और पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित शासन को और मजबूत करने के लिए जल्द ही सुविधा कैंप 2.0 लॉन्च करेंगे। यह पहल निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए जानकारी प्राप्त करने, शिकायतें दर्ज करने और नागरिक मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे बातचीत करने हेतु एक प्रभावी सिंगल-विंडो मंच के रूप में सिद्ध हुई। कैंप का मुख्य आकर्षण नागरिकों और विभागीय अधिकारियों के बीच सीधा संवाद रहा, जिससे जन-समस्याओं को तुरंत समझने और निवारण प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिली। नीतिगत स्तर पर विचार-विमर्श वाले मामलों पर भी चर्चा की गई और नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया और निस्तारण की अपेक्षित समय-सीमा से अवगत कराया गया।

जंतर मंतर पर प्रदर्शन को लेकर तीन एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जंतर मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस का कहना है कि बिना अनुमति के प्रदर्शन करने पर अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इनमें एक एफआईआर कनॉट प्लेस और दो संसद मार्ग थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223, 221, 132 और 3(5) के तहत दर्ज की गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार एफआईआर में किसी व्यक्ति या संगठन को आरोपी के रूप में नामजद नहीं किया गया है। हालांकि, प्राथमिकी में उन आयोजकों और संगठनों का विवरण दिया गया है, जिन्होंने प्रदर्शन का आह्वान किया था या उसमें हिस्सा लिया था। गौरतलब है कि शुक्रवार को छात्र संगठनों, राजनीतिक दलों के नेताओं और नागरिक संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर लगाए गए आरोपों के बीच कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए जंतर-मंतर पहुंचने का प्रयास किया था। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत नई दिल्ली जिले में लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया। सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात का सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए प्रदर्शन से पहले ये आदेश जारी किए गए थे। धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के तहत पूर्व लिखित अनुमति के बिना पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने आदि पर रोक थी।

दिल्ली हवाईअड्डे पर दो यात्रियों के पास से 1.38 करोड़ रुपये मूल्य का चार किलोग्राम गांजा जब्त

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बैंकॉक से पहुंचे दो भारतीय यात्रियों के सामान से करीब चार किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 1.38 करोड़ रुपये है। एक अधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों यात्री साथ यात्रा कर रहे थे और 29 सितंबर को टर्मिनल-3 पहुंचे थे। सीमा शुल्क अधिकारियों ने 'प्रोफाइलिंग' के आधार पर उन्हें जांच के लिए रोका। बयान में कहा गया कि दोनों को उनके 'ट्रॉली बैग' की जांच के लिए ग्रीन चैनल की ओर भेजा गया।

बैग से संदिग्ध गांजा से भरी पलास्टिक की चार थैलियां बरामद हुईं। इसमें कहा गया है कि बरामद पदार्थ का वजन 3,964 ग्राम है और इसकी कीमत लगभग 1.38 करोड़ रुपये है। बयान के मुताबिक, दोनों यात्रियों को स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 43(बी) के तहत गिरफ्तार किया गया, जबकि बरामद मादक पदार्थ को इसी अधिनियम की धारा 43(ए) के तहत जब्त किया गया।

संपत्तियों के स्वामित्व से जुड़े लंबित आवेदनों पर दो महीने के भीतर कार्रवाई करे डीडीएः अदालत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीडीए को संपत्तियों को 'लीजहोल्ड' से 'फ्रीहोल्ड' में बदलने से जुड़े लंबित आवेदनों पर दो महीने के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इन आवेदनों के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) पहले ही निवासियों से 155.06 करोड़ रुपये वसूल चुका है। उच्च न्यायालय ने कहा कि लंबित आवेदनों पर मौजूदा नीति के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि वहीं, भविष्य में आने वाले आवेदनों के लिए आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय (एमओएचयूए) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक नीति बना सकते हैं। अदालत ने कहा कि इस अदालत ने मंत्रालय और डीडीए सहित संबंधित प्राधिकारियों को बार-बार संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के महत्व व दिल्ली के निवासियों को हो रही भारी परेशानियों से अवगत कराया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने 28 सितंबर को जारी आदेश में कहा कि यह स्थिति उन संपत्ति मालिकों के मामले में और गंभीर हो जाती है, जिन्होंने पहले ही आवेदन कर दिया है तथा उस समय लागू शुल्क का भुगतान भी कर दिया है लेकिन वे अब डीडीए के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अदालत, डीडीए द्वारा संपत्तियों को 'लीजहोल्ड' से 'फ्रीहोल्ड' में बदलने के आवेदनों पर कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण परेशानी का सामना कर रहे दिल्ली के निवासियों की याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने कहा कि 2020 से 2026 के बीच संपत्ति को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए किए गए 1,373 आवेदन लंबित थे, जबकि डीडीए पहले ही 155.06 करोड़ रुपये का कन्वर्जन शुल्क वसूल चुका है। इनमें से 308 आवेदनों को मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन उनके 'कन्वेयंस डीड' (स्वामित्व हस्तांतरण दस्तावेज) निष्पादित नहीं किए गए थे। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को तय की और उस दिन आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के सचिव तथा डीडीए के उपाध्यक्ष को कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद आमिर उर्फ राजा, पुत्रः** मोहम्मद शाकिर, **पताः** जे3/172 गली नंबर 01 अनार वाली मस्जिद, किशन कुंज, लक्ष्मी नगर दिल्ली, ने **FIR No.: 131/2019 U/s 392/411/34 IPC थानाः मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद आमिर उर्फ राजा,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद आमिर उर्फ राजा,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 131/2019 U/s 392/411/34 IPC थानाः मंडावली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद आमिर उर्फ राजा,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
DP/13782/ED/2026 जेएमएफसी–03 कोर्ट नंबर 16, पूर्वी ज़िला,
(Court Matter) कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अंकित पुत्रः** कैलाश, **निवासः** म.नं. 5, 56 एवं 57, मंगोलपुरी, दिल्ली ने **FIR No. 104/2017 U/s 392 IPC., थानाः मौर्या इन्कलेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अंकित** मिल नही रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अंकित** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 104/2017 U/s 392 IPC., थानाः मौर्या इन्कलेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अंकित** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अनुराधा जिन्दल
DP/14077/NW/2026 एसीजेएम (उत्तर पश्चिम)
(Court Notice) रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 CrPc/84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दशरथ उर्फ राज यादव पुत्र श्री भरत यादव निवासी मकान नंबर 244, गली नंबर 17, ब्लॉक–बी, खजूरी खास, दिल्ली** ने **FIR No. 31/2012 U/S 33 (1)A Delhi Excise Act, अन्तर्गत थाना अलीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दशरथ उर्फ राज यादव** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दशरथ उर्फ राज यादव** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 31/2012 U/S 33 (1)A Delhi Excise Act, अन्तर्गत थाना अलीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दशरथ उर्फ राज यादव** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री प्रियंका राजपूत
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
उत्तर, न्यायालय नं. 115, प्रथम तल
DP/14064/ON/2026(Court Matter) रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नए संयंत्रों का किया शिलान्यास

'कूड़े के पहाड़ वाली जगह से 100 एकड़ जमीन कराई गई खाली'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाने की मुहिम में शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के तहत ओखला लैंडफिल साइट से ओखला, सिंघोला एवं गाजीपुर में नए कूड़े के निस्तारण के संयंत्रों एवं गाजीपुर में बायो गैस संयंत्र का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। वहीं सीएम ने इस अवसर पर कोटला मुबारकपुर में नवनिर्मित मातृत्व एवं शिशु केंद्र को भी वर्चुअल माध्यम से जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर सीएम ने कहा कि अपने संबोधन में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारा मकसद केवल पुराने कूड़े को हटाना नहीं बल्कि बल्कि नए कचरे (फ्रेश वेस्ट) को वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस कर कूड़े का नया पहाड़ बनने से रोकना है। सीएम ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी वर्षों की अनदेखी के कारण ही दिल्ली में कूड़े के बड़े बड़े पहाड़ खड़े हो गए।

जिसे अब केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में भाजपा सरकार लगातार तेज प्रयासों से कूड़े के पहाड़ को हटाने में जुटी है। सीएम ने इस दौरान ओखला लैंडफिल साइट का निरीक्षण करते हुए कहा कि दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त बनाने के लिए वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन पर बल दिया जाना बेहद जरूरी है। गत डेढ़ वर्षों में 217.17 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण किया जा चुका है जबकि लगभग 100 एकड़ जमीन को कूड़े से मुक्त कराया जा चुका है। यही कारण है कि आज हमने कूड़े के पहाड़ के साथ अपनी आखिरी सेल्फी ली है। क्योंकि अब दिल्ली में न तो पुराने कूड़े के पहाड़ दिखेंगे और न ही कूड़े के नए पहाड़ बनने देंगे।

उन्होंने कहा कि हमने इसी अटूट ध्येय के साथ कूड़े के पहाड़ को इसी 2026 के अंत तक समाप्त करने का प्रण ले लिया है। सीएम ने कहा कि इस लक्ष्य का प्राप्त करने के लिए ओखला में 1400 टन प्रतिदिन, सिंघोला में 700 टन प्रतिदिन एवं गाजीपुर में 800 टन प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। दिल्ली नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता के अलावा इस अवसर पर दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, महापौर प्रवेश वाही, उप महापौर डॉ मोनिका पंत, स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा, स्थायी समिति उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, नेता सदन जय भगवान यादव, डेम्स समिति अध्यक्ष संदीप कपूर, दक्षिण पूर्व जोन वार्ड समिति अध्यक्ष नीतू चौधरी, निगमायुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त आयुक्त लीलाधर मेघवाल, दक्षिण पूर्व जोन उपायुक्त सचिन गुप्ता, प्रमुख अभियंता के के शर्मा सहित निगम के आला अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आज हो रहे शिलान्यास कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब से हमारी सरकार बनी है प्रतिदिन या हर महीने कोई नया शिलान्यास या लोकार्पण होता है। अब राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप की जगह समाधान ढूंढा जाता है। सूद ने कहा कि अब लीगेसी कचरे की तरह ही दिल्ली की हर पुरानी समस्या का हम समाधान कर रहे हैं। नई प्रोसेसिंग सुविधाओं की क्षमता बढ़ाई जा रही है। पिछले लगभग डेढ़ वर्षों में ओखला, भलस्वा और गाजीपुर में 217.17 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण कर लगभग 100 एकड़ भूमि को मुक्त कराया जा चुका है। नए प्लांटों के शुरू होने से कूड़े के वैज्ञानिक प्रसंस्करण और निस्तारण की गति को और बढ़ाया जा सकेगा। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि यहां मंच के बाईं ओर जो पार्क दिख रहा है जहां 2 महीने पहले तक कूड़े का पहाड़ होता था।

दूसरे दिन सीईसी के खिलाफ आइसा ने किया प्रदर्शन

पुलिस ने जंतर-मंतर जाने से रोका



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी कुछ संगठनों ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने की कोशिश की। लेकिन मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को जंतर मंतर पर जाने से पहले ही रोक दिया। लेकिन जंतर मंतर जाकर प्रदर्शन करने की जिद पर अड़े रहने के बाद पुलिस ने कई प्रमुख प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर भेज दिया।

मुख्य रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) से जुड़ा छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) आइफा की अध्यक्ष नेहा बोरा ने यह प्रदर्शन बुलाया था। प्रदर्शन की शुरुआत पटेल चौक से हुई और जंतर मंतर की ओर मार्च करने लगा। पुलिस ने आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा, स्वराज संगठन के योगेंद्र यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण व कपिल सिब्बल, नित्या रामकृष्णन, पल्लव सिसोदिया सहित अन्य शामिल रहे। इस अवसर पर बोरा सहित सभी ने एक स्वर में कहा कि सीईसी को इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्होंने एसआईआर के नाम पर लोगों के वोट काटे है।

खबर संक्षेप

आनंद विहार, सराय काले खां बस अड्डों पर पीयूसी सेंटर बनाएगी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शहर के सबसे बड़े अंतरराज्यीय बस अड्डों आनंद विहार और सराय काले खां में दो बड़े बहु-लेन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले सप्ताह शहर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक बड़े पीयूसी जांच अभियान की घोषणा की थी। एक अधिकारी ने कहा कि ये भारी और हल्के मोटर वाहनों के लिए समर्पित बहु-लेन पीयूसी केंद्र होंगे, जहां वाहनों की जांच की जाएगी और प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। इन परियोजनाओं के लिए निविदा जारी की जा चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदूषण की समस्या के समाधान पर काम करते हुए हमने एक बड़ी कमी की पहचान की।

एमसीडी ने 16 जगह अनधिकृत निर्माण पर की तोड़फोड़

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम द्वारा की जा रही दिल्ली के सभी 12 जोनों में प्रवर्तन की सख्त कार्रवाई के तहत शनिवार को 16 जगह हथौड़ा चलाते हुए अनधिकृत निर्माण पर तोड़फोड़ की। इसके अलावा निगम नग अनधिकृत निर्माण और भवन मानदंडों के उल्लंघन के विरुद्ध 3 संपत्तियों को ध्वस्तीकरण के नए आदेश भी जारी किए है। निगम का कहना है कि खतरनाक भवनों, अनधिकृत निर्माण तथा दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) और भवन उपनियमों के उल्लंघन के खिलाफ दिल्ली में प्रवर्तन अभियान चला रखा है। भवन मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने और सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम के सभी 12 जोनों में सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी सेक्टर-8 में 'सेवा सेतु कैंप' का किया उद्घाटन



नई दिल्ली। सुशासन की वास्तविक कसौटी यही है कि नागरिकों को सरकारी सेवाएं कितनी सहजता और सरलता से उपलब्ध होती हैं। किसी भी योजना की सार्थकता तभी है, जब उसकी जानकारी, मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता बिना किसी अनावश्यक बाधा के लोगों तक पहुंचे। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष एवं रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को रोहिणी सेक्टर-8 स्थित केंद्रीय विद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित 'सेवा सेतु कैंप' का उद्घाटन करते हुए कही। इस अवसर पर उत्तर-पश्चिम दिल्ली की जिलाधिकारी सौम्या सौरभ, आईएएस भी उपस्थित रहीं। 'विजेंद्र गुप्ता ने कैंप में तैनात विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बातचीत की और नागरिकों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कैंप में उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं और नागरिकों को दी जा रही सहायता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रभावी जनसेवा के लिए केवल योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है, बल्कि नागरिकों तक उनकी स्पष्ट जानकारी पहुंचाना, सरल और सुलभ व्यवस्था उपलब्ध कराना तथा समय पर आवश्यक सहायता प्रदान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि पात्र लाभार्थी योजनाओं का वास्तविक लाभ उठा सकें।

प्रियंका कक्कड़ समेत तीन लोग कांग्रेस में शामिल



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राष्ट्रीय प्रवक्ता रहीं प्रियंका कक्कड़, उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा और पत्रकार रजत राकेश टंडन शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। तीनों ने नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला, पार्टी महासचिव सैयद नासिर हुसैन, मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव समेत कई नेता मौजूद रहे। पार्टी ने कहा कि वे कांग्रेस की विचारधारा से प्रेरित होकर संगठन का हिस्सा बने हैं। कांग्रेस ने प्रियंका कक्कड़, रजत राकेश टंडन और श्याम सुंदर शर्मा का स्वागत करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। तीनों नेताओं का कांग्रेस में शामिल होने का कार्यक्रम दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित किया गया। कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया और पार्टी संगठन को मजबूत करने की बात कही। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं ने तीनों के अनुभव और सार्वजनिक जीवन से जुड़े योगदान का उल्लेख किया। कांग्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट में भी तीनों नेताओं के शामिल होने को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तौर पर पेश किया गया।

एम्स के छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों से एलजी ने किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली के उपराज्यपाल ने एम्स नई दिल्ली के लोकप्रिय कैफे में मेडिकल छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ संवाद किया। कॉफी पर हुए इस संवाद के दौरान उन्होंने मेडिकल शिक्षा के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों, भविष्य के स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर छात्रों की आकांक्षाओं और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनके अनुभव और सुझाव सुने। उपराज्यपाल ने कहा कि छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों के बेबाक विचार और सुझाव महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने उनकी चिंताओं को दूर करने और सभी के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण को और मजबूत करने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उपराज्यपाल ने भावी डॉक्टरों का आह्वान करते हुए कहा कि वे ज्ञान के साथ समाज की सेवा करें, संवेदनशीलता के साथ नेतृत्व करें और स्वस्थ 'विकसित दिल्ली' तथा 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान दें। संवाद के दौरान मेडिकल छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों ने चिकित्सा शिक्षा की कठिनाइयों और उससे जुड़े अपने अनुभव साझा किए। इसके साथ ही उन्होंने भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर अपनी आकांक्षाओं और भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने से जुड़े विचार भी सामने रखे।

महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर

उपराज्यपाल ने विशेष रूप से महिलाओं के सामने आने वाली सुरक्षा एवं संरक्षा संबंधी चिंताओं को सुना। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर छात्रों के प्रत्यक्ष अनुभव और सुझावों को गंभीरता से लिया जाना जरूरी है। सुरक्षित और संरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

ज्वालापुरी में मकान ढहने वाले परिवार के युवक को दी जाए सरकारी नौकरी : यादव

- मकान ढहने से परिवार के 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत, यादव ने घटना स्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से की मुलाकात



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने शनिवार को नांगलोई विधानसभा के ज्वालापुरी कॉलोनी में जर्जर मकान ढहने के घटना स्थल पर पहुंच कर प्रभावित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि 1977 में बने मकान जर्जर होने के कारण ढहने पर युवक के गंभीर रुप से घायल और 50 वर्षीय वृद्ध की मौत अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने इस दौरान सरकार से मांग की मकान ढहने वाले परिवार के युवक को सरकारी नौकरी और आर्थिक मदद दी जाए ताकि उसका मकान बन सके। इस दौरान यादव के साथ प्रदेश महासचिव संगठन एवं पूर्व विधायक श्री अनिल भारद्वाज, रोहित चैधरी, जिला अध्यक्ष वरुण ढाका आदि नेता शामिल रहे। यादव ने कहा कि यह अत्यंत संवदेनशील है कि सरकार की तरफ से अभी तक कोई दुर्घटना पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जबकि हादसे के बाद पुलिस खड़ी होकर तमाशा देख रही थी और एनडीआरफ के लोग घटना होने के कई घंटों तक घटना स्थल पर नहीं पहुंचे। स्थानीय लोगों ने लोगों ने युवक की जान बचाई और मृत वृद्ध को मलबे से निकाला। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार बड़ी-बड़ी बातें और घोषणा तो करती है लेकिन जब कहीं कोई दुर्घटना या हालात बिगड़ते है तो पूरा तंत्र वहां से गायब नजर आता है।

दिल्ली चिकित्सा परिषद में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण पर फैसला ले सरकार : अदालत

पीठ ने चिकित्सक अंजू गंभीर की जनहित याचिका पर दिया आदेश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेखा गुप्ता नीत सरकार से दिल्ली चिकित्सा परिषद (डीएमसी) में महिलाओं को कम से कम 50 प्रतिशत आरक्षण देने के संबंध में जल्द निर्णय लेने को कहा है।

मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने चिकित्सक अंजू गंभीर की जनहित याचिका पर 30 सितंबर को यह आदेश दिया। याचिका में परिषद में महिला चिकित्सकों को समान और सार्थक प्रतिनिधित्व देने का अनुरोध किया गया है। अदालत ने कहा कि डीएमसी का गठन दिल्ली चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1997 के तहत किया गया है, जिसमें चुनाव या मनोनयन, किसी भी माध्यम से महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं है, इसलिए अदालत अधिकारियों को ऐसा कोटा देने का निर्देश नहीं दे सकती।

अदालत ने कहा कि हालांकि, याचिकाकर्ता ने पहले ही एक अभ्यावेदन देकर अपनी मांग रखी है, जिस पर राज्य सरकार के विभिन्न अधिकारी विचार कर रहे हैं। पीठ ने आदेश दिया कि हम वर्तमान याचिका का निपटारा राज्य सरकार और उसके संबंधित अधिकारियों को याचिकाकर्ता के अनुरोध पर विचार करने और उस पर उचित निर्णय जल्द लेने का निर्देश देते हुए करते हैं। याचिकाकर्ता ने डीएमसी के अलावा दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन में भी महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की थी। अधिवक्ता रूपेश दत्ता और स्नेहलता चतुर्वेदी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया कि चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं की संख्या काफी होने के बावजूद डीएमसी में पर्याप्त विविधता और प्रतिनिधित्व नहीं है। याचिका में कहा गया कि इसके कारण विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की आवाज शामिल नहीं हो पाती।

सार्वजनिक सूचना

सतर्क रहें, स्वस्थ रहें!

डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया से बचें

मच्छर पैदा न होने दें



छत पर रखी पानी की टंकियों के ढक्कन सही प्रकार से बंद रखें।



पानी रखने वाले बर्तनों/ बाल्टियों/ हौदियों को हमेशा ढ़क कर रखें।



टूटे फूटे बेकार बर्तन, गमले, टायर इत्यादि जिनमें पानी जमा हो सकता है, ऐसी चीजों को खुले में न रखें।



कूलरों को सप्ताह में एक बार सुखाकर दोबारा पानी भरें। यदि पानी निकालना संभव न हो तो एक बड़ा चम्मच टेमेफास ग्रेन्युल्स, पेट्रोल या मिट्टी का तेल डालें।



अपने घर व आस पास के क्षेत्र में पानी इकट्ठा न होने दें। यदि रुका हुआ पानी निकालना संभव न हों, वहां समय-समय पर मिट्टी का तेल, पेट्रोल डालें।

ज़ोनल कंट्रोल रुम नम्बर

क्रमांक	ज़ोन के नाम	सम्पर्क नम्बर
1	सिटी ज़ोन (पुरानी दिल्ली)	011-23913773
2	सेंट्रल ज़ोन (दक्षिण दिल्ली)	011-29812700, 29812228
3	सिविल लाइंस ज़ोन (उत्तर दिल्ली)	011-23972700
4	करोल बाग ज़ोन (मध्य दिल्ली)	011-46019172
5	केशव पुरम ज़ोन (मध्य उत्तर दिल्ली)	011-27183147
6	नरेला ज़ोन (बाहरी उत्तर दिल्ली)	9811842118
7	नजफगढ़ ज़ोन (दक्षिण-पश्चिम दिल्ली)	011-28011235
8	रोहिणी ज़ोन (उत्तर-पश्चिम दिल्ली)	011-27050133
9	शाहदरा दक्षिण ज़ोन (पूर्व दिल्ली)	011-66667391
10	शाहदरा उत्तर ज़ोन (उत्तर-पूर्व दिल्ली)	8368748868
11	दक्षिण ज़ोन (दक्षिण दिल्ली)	011-26522700
12	पश्चिम ज़ोन (पश्चिमी दिल्ली)	011-25191016

RO No. 30/DPI/MCD/2026-27

सौजन्य से : जन स्वास्थ्य विभाग दिल्ली नगर निगम

PH-IV द्वारा जनहित में जारी

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय, दिल्ली सरकार

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

खबर संक्षेप

देसी पिस्टल, 3 खाली खोल सहित आरोपी अरेस्ट

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने और उनका इस्तेमाल करने वालों के



खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। 2 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच एवीटीएस सिकरोना की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को देसी पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस और 3 खाली खोल सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान योगेश निवासी सेक्टर-15ए फरीदाबाद के रूप में हुई है।

2296 किलो पोटैशियम नाइट्रेट जब्त, आरोपी अरेस्ट

फरीदाबाद। अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान



के तहत क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 की टीम ने बल्लभगढ़ की मुकेश कॉलोनी में बड़ी कार्रवाई करते हुए पटाखा बनाने में इस्तेमाल होने वाली करीब 200 किलोग्राम गंधक और 2296 किलोग्राम पोटैशियम नाइट्रेट बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 2 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच ने बल्लभगढ़ अनाज मंडी क्षेत्र में गश्त कर रही थी।

घर के बाहर हुड़दंग और हाथापाई, 4 गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुरानी रंजिश के चलते घर के बाहर पहुंचकर



हुड़दंगबाजी, हाथापाई और जान से मारने की धमकी देने के मामले में क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आजाद, सोहेब, मौसम और अरमान के रूप में हुई है।

3 कंपनियों के जरिए 33 एकड़ जमीन खरीदकर अतुल बंसल समूह को बेचने का मामला

मानेसर लैंड स्कैम में टीडीआई ग्रुप पर ईडी का शिकंजा

- तीन दिन चली छापेमारी में लग्जरी वाहन, सर्वर और जमीन से जुड़े दस्तावेज जब्त
- 400 एकड़ से अधिक अधिग्रहण वाली जमीन की जांच

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्राम के बहुचर्चित मानेसर लैंड स्कैम की मनी लॉन्ड्रिंग जांच में प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने टीडीआई ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की चंडीगढ़ जोन-1 टीम ने 28 सितंबर को टीडीआई ग्रुप के चेयरपर्सन और कई कंपनियों के प्रबंध निदेशक रविंदर तनेजा से जुड़े दिल्ली और एसएएस नगर स्थित व्यावसायिक एवं आवासीय परिसरों पर तलाशी शुरू की। कार्रवाई तीन दिन से अधिक समय तक चली। इस दौरान लग्जरी वाहनों के साथ दर्जनों प्रोजेक्ट फाइलें, डिजिटल उपकरण, कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और सर्वर जब्त किए गए। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत चल रही जांच के तहत की है। यह जांच सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर से निकली है। ईडी के अनुसार, टीडीआई ग्रुप की भूमिका वर्ष 2005 से 2007 के दौरान मानेसर, नौरंगपुर और लखनौला गांवों में जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े लेनदेन में जांच के दायरे में है।

400 एकड़ से अधिक जमीन थी अधिग्रहण के लिए

ईडी के मुताबिक, वर्ष 2007 में इन तीन गांवों में 400 एकड़ से अधिक राज्य-अधिसूचित जमीन अधिग्रहण के लिए निर्धारित की गई थी। जांच एजेंसी का कहना है कि अधिग्रहण के डर के बीच निजी बिल्डरों और बिचौलियों ने किसानों से जमीन कम कीमत पर खरीदी। बाद में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया समाप्त हो गई और अवार्ड ड्रॉप कर दिया गया। इसके बाद वही जमीन ऊंची कीमतों पर बेचे जाने से संबंधित पक्षों को भारी मुनाफा होने की बात जांच में सामने आई।

तीन कंपनियों के जरिए खरीदी 33 एकड़ जमीन

ईडी के अनुसार, टीडीआई ग्रुप ने इस अवधि में इंडो एशियन कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, एनसीआर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड और दिव्य ज्योति एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किसानों से करीब 33 एकड़ जमीन खरीदी। बाद में यह जमीन अतुल बंसल के नेतृत्व वाले समूह को ऊंचे मुनाफे पर बेची गई। ईडी इन लेनदेन और इससे जुड़े वित्तीय प्रवाह की जांच कर रही है।

दूसरे प्रोजेक्ट की कथित अनियमितताओं के रिकॉर्ड भी मिले

तलाशी के दौरान टीडीआई ग्रुप के अन्य प्रोजेक्ट से संबंधित कथित अनियमितताओं और अवैध गतिविधियों के रिकॉर्ड भी सामने आने की बात ईडी ने कही है। एजेंसी ने दर्जनों प्रोजेक्ट रिकॉर्ड, फाइलें, डिजिटल उपकरण, कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और सर्वर जब्त किए हैं। कई लग्जरी वाहनों को भी अपराध से अर्जित आय के रूप में चिन्हित कर जब्त किया गया है। ईडी के अनुसार, जब्त दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड, संपत्तियों और टीडीआई ग्रुप की कंपनियों के वित्तीय मामलों की जांच जारी है। एजेंसी जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े धन के प्रवाह और कथित अपराध से अर्जित संपत्तियों की भी पड़ताल कर रही है।

राष्ट्रीय महिला योगासन प्रतियोगिता का शुभारंभ

सीबीएसई राष्ट्रीय महिला योगासन प्रतियोगिता पानीपत के गुरु ब्रह्मानंद स्कूल को ओवरऑल विजेता रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

- सामूहिक रूप से विजेता टीम को ट्रॉफी भेंट की
- देश और विदेश से आए स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया



सेक्टर-65 शाहपुर स्थित आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान में पिछले चार दिनों से चल रही सीबीएसई राष्ट्रीय महिला योगासन प्रतियोगिता पानीपत के गुरु ब्रह्मानंद स्कूल को ओवरऑल विजेता घोषित करने के साथ संपन्न हो गई। रनर टीम के रूप में वेल मेल बोधी केंपस स्कूल तमिलनाडु की टीम रही। आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान के चेयरमैन सत्यवीर डागर एवं सीबीएसई की तरफ से राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक गौरव राय, तारकनाथ प्रमाणिक तथा डॉ.अजय शास्त्री ने सामूहिक रूप से विजेता टीम को ट्रॉफी भेंट की।

उल्लेखनीय है कि सेक्टर-65 शाहपुर स्थित आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान में गत 29 सितंबर को चार दिनों तक चलने वाली इस सीबीएसई की राष्ट्रीय महिला योगासन प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के चीनी एवं गन्ना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के कर कमलों द्वारा किया गया था। आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान के चेयरमैन सत्यवीर डागर ने बताया कि चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में सीबीएसई के सभी 9 जोनों की टीमों ने हिस्सा लिया। जिनमें 8 जोन भारत के तथा एक विदेशी जोन शामिल है। श्री डागर के अनुसार इस प्रतियोगिता में कुल 830 महिला प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया तथा विभिन्न आयु वर्गों में सीबीएसई के मानकों के अनुसार यह प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें कुल मिलाकर डेढ़ सौ के आसपास पूरे देश और विदेश से आए स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया।

प्रदेश का नाम पूरे विश्व में रोशन करेंगे

उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने पूरे देश को आठ जोनों में बांटा हुआ है, जबकि नौवां जोन विदेश का है। इस जोन के तहत आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान में ओमान तथा अबू धाबी देश की टीमों ने हिस्सा लिया। संस्थान के चेयरमैन चौ. सत्यवीर डागर के अनुसार सीबीएसई द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों एवं अन्य पदाधिकारी की देखरेख में चार दिनों तक चली इन प्रतियोगिताओं में कुल 27 स्वर्ण पदक 28 सिल्वर पदक तथा 58 कान से पदक वितरित किए गए। ओवरऑल विजेता गुरु ब्रह्मानंद स्कूल पानीपत को घोषित किया गया। इस मौके पर चौ. सत्यवीर डागर ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागी योग के माध्यम से अपने स्कूल, शहर, जिला और प्रदेश का नाम पूरे विश्व में रोशन करेंगे।

छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया

सीबीएसई बोर्ड का भी इस बात के लिए आभार व्यक्त किया कि उन्होंने इस आयोजन के लिए पूरे देश में आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान का चयन किया। डागर ने सीबीएसई बोर्ड द्वारा यहां नियुक्त किए गए सभी पर्यवेक्षक व 23 सदस्य निर्णायक मंडल तथा एक तकनीकी विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त कियाए जिन्होंने इस प्रतियोगिता को इतनी सफलता व शांति के साथ संपन्न कराया। इस मौके पर स्कूल की तरफ से छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हरियाणा पुलिस की महिला



फरीदाबाद। हरियाणा के कैथल में 16 से 18 सितंबर 2026 तक आयोजित राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में फरीदाबाद पुलिस में तैनात महिला एएसआई कमलेश की पुत्री अदिति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अदिति का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए भी चयन हुआ है। अदिति की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ हरियाणा पुलिस का भी गौरव बढ़ा है। अदिति की मां महिला एएसआई कमलेश वर्तमान में थाना सेक्टर-8 फरीदाबाद में तैनात हैं। अदिति ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन खेल कौशल, आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस सफलता के पीछे कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण महत्वपूर्ण रहा है। अदिति की उपलब्धि अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि खेलों में निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने वाले युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयन अदिति की खेल यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

लोगों को जागरूक करने के लिए पैदल मार्च निकाला

नशे के खिलाफ जागरूकता से बनेगा स्वस्थ समाजः त्यागी



हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सेवा संकल्प अभियान के तहत पालम विहार मंडल में सरबत दा भला एनजीओ की ओर से नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसका असर परिवार और समाज पर भी पड़ता है। नशे के खिलाफ जागरूकता को व्यापक जनअभियान बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युवा देश की शक्ति हैं। उन्हें शिक्षा, खेल, कौशल, रोजगार और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर सकारात्मक दिशा दी जा सकती है।

गणमान्य नागरिक मौजूद रहे

कार्यक्रम के दौरान नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पैदल मार्च निकाला गया। इसमें लोगों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का संदेश दिया गया। त्यागी ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए केवल जागरूकता कार्यक्रम पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि परिवार, सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास के युवाओं से संवाद करने और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर पालम विहार मंडल अध्यक्ष अरुण त्यागी, मंडल प्रभारी एवं जिला रवि बंसल, रामनगर मंडल प्रभारी राकेश राणा, एनजीओ संयोजक अमरजीत सिंह सहित सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

लड़के की मां पर लड़की के परिजनों ने पुलिस संग बनाया दबाव

महिला का शव थाने के सामने रखा, पुलिस प्रताड़ना का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद



टीला मोड़ थाना क्षेत्र में महिला की मौत के बाद शनिवार को परिजनों ने उसका शव थाने के सामने सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। शव सड़क पर रखे जाने से वाहनों की लंबी कतार लग गई। परिजनों ने पुलिस और लड़की के परिजनों पर महिला व परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। मृतका के पति का आरोप है कि उनका बेटा कुछ समय पहले एक लड़की को लेकर चला गया था।

इसके बाद लड़की के परिजन लगातार उनकी बेटी को वापस लाने का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि लड़की को वापस नहीं लाने पर परिवार को मारपीट करने और मकान गिराने की धमकी भी दी गई। पति ने पुलिस पर भी परिवार पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। मृतका के छोटे बेटे योगेश के मुताबिक, बुधवार को उसकी मां ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। योगेश ने आरोप लगाया कि पूछताछ के दौरान चौकी प्रभारी सत्यजीत ने उसकी मां से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

उसने यह भी आरोप लगाया कि लड़की की मां और उसका बड़ा बेटा रात करीब दो बजे कुछ लोगों के साथ उनके घर पहुंचे और उसकी मां पर दबाव बनाया।

सम्मेलन में सात नए अध्ययन जारी किए जाएंगे

अर्बन अड्डा 2026: स्वच्छ हवा और सुरक्षित सड़कों पर 'मंथन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

राजधानी में शहरी परिवहन, वायु प्रदूषण, सड़क सुरक्षा और बेहतर शहरी डिजाइन पर अर्बन अड्डा 2026 का आयोजन 5 से 7 अक्टूबर तक इंडिया हैबिटेट सेंटर में होगा। सम्मेलन में सात नए अध्ययन जारी किए जाएंगे, जिनमें गुरुग्राम के वायु प्रदूषण में स्थानीय यातायात की हिस्सेदारी का पहला अनुमान और भारत के पहले 11 महीने के इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पायलट प्रोजेक्ट के निष्कर्ष शामिल हैं। राहगिरी फाउंडेशन, गुरुजल, इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन इंडिया और नगारो फाउंडेशन द्वारा आयोजित सम्मेलन में दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद और मनजिंदर सिंह सिरसा, पूर्व जी-20 शेरपा अमिताभ कांत और अध्यक्ष राजेश वर्मा समेत कई विशेषज्ञ शामिल होंगे। सम्मेलन की शुरुआत 4 अक्टूबर को कनॉट प्लेस में 'राहगिरी डे' से होगी। सुबह 7 से 10 बजे तक साइकिलिंग, ओपन-स्ट्रीट गतिविधियां और सामुदायिक कार्यक्रम होंगे। सेंट्रल पार्क में रॉक बैंड युफोरिया की लाइव प्रस्तुति भी होगी। जारी होने वाली रिपोर्टों में स्कूलों के आसपास स्वच्छ हवा क्षेत्र, गुरुग्राम में यातायात प्रदूषण, दिल्ली-एनसीआर में इलेक्ट्रिक स्कूल बसों का रोडमैप और विरासत शहरों में स्वच्छ परिवहन से जुड़ी रिपोर्ट शामिल हैं। इलेक्ट्रिक स्कूल बसों के चरणबद्ध संचालन से 2.5 लाख से अधिक छात्रों को डीजल वाहनों के धुएं के संपर्क से बचाने पर ध्यान दिया जाएगा।

7 अक्टूबर से शुरू होगी ऑनलाइन बुकिंग

किसानों के लिए खुशखबरीः 100 से अधिक कृषि यंत्रों कृषि रक्षा उपकरणों पर मिलेगा अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

लगभग 100 से अधिक कृषि यंत्रों एवं कृषि रक्षा उपकरणों पर अनुदान पाने का सुनहरा अवसर 07 अक्टूबर से शुरू होगी ऑनलाइन बुकिंग। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों से जोड़ने एवं खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल जनपद के किसान भाइयों के लिए खुशखबरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दशहरे के पावन पर्व पर किसानों को कृषि यंत्रों का उपहार देने के उद्देश्य से कृषि यंत्रों एवं कृषि रक्षा उपकरणों पर अनुदान प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया गया है। कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना एवं फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत जनपद के किसानों को लगभग 100 से अधिक कृषि यंत्रों एवं कृषि रक्षा उपकरणों पर अनुदान हेतु ऑनलाइन बुकिंग का अवसर मिलेगा। किसान ड्रोन, अन्य एकल कृषि यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन के कृषि यंत्र, मेज सेलर, मिलेट पलर एवं कृषि रक्षा यंत्रों पर नियमानुसार अनुदान दिया जाएगा।

2 नवंबर तक समाधान नहीं तो यूपी गेट पर शिफ्ट होगा किसानों को धरना

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित कनावनी गांव के किसानों का धरना शनिवार को भी लगातार 51वें दिन भी जारी रहा। आज धरना स्थल पर किसानों ने प्रशासन को 2 नवंबर तक का अल्टीमेटम देते हुए साफ कर दिया कि यदि तय समय तक उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। किसानों ने चेतावनी दी है कि इसके बाद धरना कनावनी से यूपी गेट पर शिफ्ट किया जाएगा। इतना ही नहीं, किसान आंदोलन में विपक्षी राजनीतिक दलों का भी सहयोग लेंगे। किसानों की मुख्य मांग है कि खतौनी और राजस्व अभिलेखों से हटाए गए उनके पूर्वजों के नाम दोबारा दर्ज किए जाएं। किसानों का कहना है कि न्यायालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा में भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अब किसान मुआवजा नहीं, बल्कि अपनी जमीन के राजस्व अभिलेखों में पूर्वजों के नाम की बहाली चाहते हैं। किसानों ने स्पष्ट कर दिया है कि अब वे अपनी जमीन नहीं बेचेंगे और जब तक खतौनी में नाम बहाल नहीं होते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **वीनू पुत्रः संतोष सिंह पताः मकान नंबर 587 गली नंबर 1 सरपंच का बाड़ा मंडावली दिल्ली FIR No 390/2020 U/s 380/411 IPC थानाः मंडावली दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वीनू** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **वीनू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No 390/2020 U/s 380/411 IPC थानाः मंडावली दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **वीनू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
जेएमएफसी–03, कमरा नंबर–16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13790/ED/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **अलका नैयर, पत्नीः** श्री अश्वनी नैयर, **पताः** मकान नं. डब्ल्यूजेड–9, सुखराम पार्क, तिलक नगर, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली, में **FIR No.: 1245/2019, U/s: 498A/406/34/354/511/323 IPC, थानाः सुल्तान पुरी दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अलका नैयर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अलका नैयर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 1245/2019, U/s: 498A/406/34/354/511/323 IPC, थानाः सुल्तान पुरी दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **अलका नैयर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री नेहा गोयल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
(महिला न्यायालय)–02, कक्ष संख्याः 18
उत्तर–पश्चिम जिला, रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/14033/OD/2026
(Court Matter)

ग्रेटर फरीदाबाद में आबादी के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं की मांग की

कंफेडरेशन प्रतिनिधियों ने मंत्री राजेश नागर से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

- ग्रेटर फरीदाबाद में एक बड़े सिटी पार्क और फायर स्टेशन की भी मांग की
- विकास कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया, फरीदाबाद में लगभग 2 लाख की आबादी रहती हैं



ग्रेटर फरीदाबाद में आबादी के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं, बेहतर प्रशासन एवं योजनाबद्ध विकास की मांग को लेकर कन्फेडरेशन आरडब्ल्यूए ग्रेटर फरीदाबाद ने मंत्री राजेश नागर से मुलाकात की।

कन्फेडरेशन प्रतिनिधियों ने मंत्री नागर के समक्ष क्षेत्र की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए स्पष्ट नोडल अथॉरिटी, निश्चित जवाबदेही और विकास कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया।

कन्फेडरेशन के प्रेसिडेंट विजय भारद्वाज एवं चेयरमैन निर्मल कुलश्रेष्ठ ने कहा कि ग्रेटर फरीदाबाद में लगभग 2 लाख निवासी रह रहे हैं, लेकिन इतनी बड़ी आबादी के बावजूद विभागीय समन्वय की कमी नजर आती है। यहां नगर निगम, एफएमडीए और एचएसवीपी के बीच स्पष्ट नोडल अथॉरिटी की बेहद जरूरत है। उन्होंने हाई-राइज सोसाइटियों के निवासियों से लिए जा रहे प्रॉपर्टी टैक्स की समीक्षा कर उसे उचित एवं तर्कसंगत बनाने की मांग भी रखी। इसके साथ ग्रेटर फरीदाबाद में एक बड़े सिटी पार्क और हाइड्रोलिक हाई-राइज फायर फाइटिंग मशीनों से सुसज्जित अलग फायर स्टेशन की भी मांग रखी। इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि मैं इन सभी समस्याओं के बारे में अवगत हूं और इन्हें लेकर निरंतर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विभिन्न मंत्रियों, विभागों के साथ संपर्क में हूं। फिर भी आपका ज्ञापन भी अग्रिम कार्यवाहियों के लिए प्रेषित करूंगा।

अनेक प्रतिनिधि मौजूद रहे

हम सभी का मकसद विकसित ग्रेटर फरीदाबाद तिगांव विधानसभा है। उन्होंने सभी को आश्वासन दिया कि आने वाले समय में आपको एक बेहतर क्षेत्र का निवासी होने का भाव प्राप्त होगा। इस अवसर पर निशांत रस्तोगी प्रेसिडेंट पुरी प्राणायाम, ओपी तंवर प्रेसिडेंट ओजोन पार्क, अंशुमान कौशिक, एच एल छाबड़ा, रमेश चुग, महेश शर्मा, राजीव सचदेवा, मोहित खन्ना, पंकज ग्रोवर, गुरतीत गांधी, विनोद मेहंदीरत्ता आदि अनेक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने परखीं तैयारियां सेक्टरवार तैनात होंगे मैजिस्ट्रेट

काशी के नभ में गूंजेगा वायुसेना का शौर्यः नमो घाट पर 24 से 26 अक्टूबर तक एयर शो

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

वाराणसी के नमो घाट पर आगामी 24 से 26 अक्टूबर तक प्रस्तावित भव्य एयर शो की तैयारियों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उच्चस्तरीय समीक्षा की। 25 अक्टूबर को प्रस्तावित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति संभावित है...

देवाधिदेव महादेव की पावन नगरी काशी भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और सामर्थ्य की साक्षी बनने जा रही है। गंगा की अविरल धारा के किनारे बसी काशी में जब आसमान भारतीय वायुसेना के विमानों की गर्जना से गूंजेगा, तो यह दृश्य देश के सामरिक सामर्थ्य और काशी की सनातन सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। वाराणसी के नमो घाट पर आगामी 24 से 26 अक्टूबर तक प्रस्तावित भव्य एयर शो की तैयारियों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उच्चस्तरीय समीक्षा की। 25 अक्टूबर को प्रस्तावित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति संभावित है। समीक्षा बैठक में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों, वाराणसी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष एयर शो की तैयारियों और संपूर्ण कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर दर्शक दीर्घाओं, ग्रैंड स्टैंड, विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के लिए निर्धारित क्षेत्र, मीडिया एरीना, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा जांच केंद्र तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी। नमो घाट के साथ गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों को जोन और सेक्टर में विभाजित कर व्यवस्थित प्रबंधन की कार्ययोजना से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया।

25 अक्टूबर के मुख्य समारोह में पीएम मोदी और रक्षा मंत्री के शामिल होने की संभावना



एयर शो को लेकर आम नागरिकों में भी उत्सुकता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस एयर शो को लेकर आम नागरिकों में भी उत्सुकता है और बड़ी संख्या में लोग भारतीय वायुसेना के प्रदर्शन को देखने के लिए पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट, सुगम यातायात, पार्किंग और जोनवार स्थल चिन्हांकन की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। दर्शकों के आवागमन के मार्ग स्पष्ट और सुगम हों तथा प्रत्येक क्षेत्र में पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध रहें। उन्होंने प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ प्रत्येक सेक्टर के लिए मैजिस्ट्रेट की सुनियोजित तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन के दौरान नमो घाट के साथ काशी के प्रमुख घाटों और आसपास के क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में घाटों पर भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन, पार्किंग तथा जल और थल मार्ग से आवागमन की व्यवस्थाओं को एकीकृत कार्ययोजना के साथ संचालित किया जाए। संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं का पूर्वाभ्यास भी कराया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सभी संबंधित टीमें तत्काल समन्वित कार्रवाई कर सकें। मुख्यमंत्री ने वाराणसी मंडल के सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एयर शो के दौरान आसपास के जनपदों से आने वाले लोगों की आवाजाही को देखते हुए आवश्यक मानव संसाधन और अन्य व्यवस्थाओं का समुचित समन्वय किया जाए। भारतीय वायुसेना, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में तैयारियां पूरी करें, ताकि काशी आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

खबर संक्षेप

झारखंड के हॉस्टल में लड़की से रेप, 2 गिरफ्तार

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां हॉस्टल में छात्रा से रेप व धमकी देने के मामले में एक निजी स्कूल के निदेशक व सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार किया गया है। सुरक्षा गार्ड ने छात्रा के साथ कथित तौर पर बार-बार दुष्कर्म किया।



पीके के प्रत्याशी के लिए वोट मांग रहे अनंत सिंह

पटना। एमएलसी चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की अंतर्कलह सड़क पर खुलकर दिख रही है। मोकामा से जेडीयू के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने पटना स्नातक एमएलसी सीट से पीके की जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में प्रचार शुरू कर दिया है। सिंह ने शनिवार को नवादा में आशीर्वाद यात्रा निकाली और मतदाताओं से अनुज के पक्ष में वोट देने की अपील की।



सीएम योगी ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

बारिश से बिगड़ी बिजली-सड़क व्यवस्था जल्द होगी दुरुस्त, शिकायतों का त्वरित निस्तारण पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

सीएम ने बारिश से क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों और तारों को जल्द दुरुस्त कराने के साथ प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल करने पर जोर दिया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के कारण लोगों को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना न करना पड़े ...

भारी बारिश के कारण प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में प्रभावित हुई बिजली और सड़क व्यवस्था को जल्द सामान्य करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम ने बारिश से क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों और तारों को जल्द दुरुस्त कराने के साथ प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल करने पर जोर दिया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के कारण लोगों को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना न करना पड़े और मरम्मत कार्य में तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त विद्युत ढांचे की स्थिति का आकलन करने और आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य तत्काल कराने के निर्देश दिए। साथ ही बिजली के खंभों, तारों और अन्य उपकरणों को दुरुस्त कर आपूर्ति व्यवस्था को जल्द सामान्य करने को कहा गया है। सीएम ने स्थानीय स्तर पर टीमों को सक्रिय रखते हुए शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

- प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल कर लोगों को राहत देने पर जोर
- खराब सड़कों की मरम्मत कर आवागमन सुचारु कराने पर सीएम ने दिया जोर



बारिश से खराब हुई सड़कों की तत्काल हो मरम्मत

सीएम ने भारी बारिश से खराब हुई सड़कों की भी तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं। जलभराव और बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों को चिह्नित कर आवश्यक मरम्मत कार्य जल्द पूरा कराने को कहा गया है, ताकि लोगों के आवागमन में किसी तरह की बाधा न हो। सीएम ने अधिकारियों को बिजली और सड़क जैसी जरूरी जनसुविधाओं को जल्द सामान्य स्थिति में लाने के लिए समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और व्यवस्थाओं की बहाली के कार्यों में किसी तरह की देरी न होने पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार संबंधित अधिकारी प्राथमिकता तय करें और प्रभावित लोगों को जल्द राहत पहुंचाए।

एक क्लिक में 4,60,559 छात्र-छात्राओं के खातों में पहुंचे 148 करोड़ से अधिक

इधर सीएम योगी ने पूर्ववर्ती सरकार पर छात्रवृत्ति में सेंधमारी का आरोप लगाते हुए कहा कि 2016-17 में अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति तक नहीं भेजी गई। तत्कालीन सरकार छात्रों की छात्रवृत्ति भी खा गई थी। पहले बाबूगिरी में छात्रवृत्ति पर सेंध लगती थी, अब डीबीटी से पूरा पैसा सीधे छात्र के खाते में पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकभवन सभागार में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एक क्लिक से 4,60,559 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में 148 करोड़ से अधिक की धनराशि भेजी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शुरुआत है।

पिछले वर्ष 69 लाख छात्रों को मिले 6,200 करोड़

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष 69 लाख विद्यार्थियों को 6,200 करोड़ की छात्रवृत्ति दी गई। उन्होंने पात्र विद्यार्थियों तक 26 जनवरी तक हर हाल में छात्रवृत्ति पहुंचाने के निर्देश दिए। पिछले वर्ष आवेदन या तकनीकी त्रुटि के कारण वंचित करीब चार लाख विद्यार्थियों को भी इसका लाभ दिया जा रहा है।

यूपी के कई शहरों में महंगी हुई सीएनजी

लखनऊ में 2 तो अयोध्या में 3:25 रुपए बढ़े प्रति किलो दाम



एजेंसी ⏭ लखनऊ

वाहन चालकों पर एक बार फिर महंगाई का असर पड़ा है। कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) के दाम में बढ़ोतरी कर दी गई है। लखनऊ में सीएनजी की कीमत शनिवार से दो रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ गई है। अब यहां सीएनजी 107 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से मिलेगी। इससे पहले इसकी कीमत 105 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

उन्नाव में 2 रुपए प्रति किग्रा बढ़ाई गई

सीएनजी के खुदरा बिक्री मूल्य में यह संशोधन संबंधित भौगोलिक क्षेत्रों में किया गया है। सूचना के अनुसार, उन्नाव में भी सीएनजी की कीमत दो रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ाई गई है। यहां सीएनजी की कीमत 101.75 से बढ़कर 103.75 प्रति किलोग्राम हो गई है। लखनऊ और उन्नाव में संशोधित दर तीन अक्टूबर से प्रभावी हो गई है।

इनपुट गैस की लागत में बढ़ोतरी मुख्य कारण

कंपनी के मुताबिक सीएनजी की कीमतों में संशोधन के पीछे इनपुट गैस की लागत में बढ़ोतरी मुख्य कारण है।

5 हजार करोड़ के बोगस चालान से 734 करोड़ का जीएसटी घोटाला

एजेंसी ⏭ रांची

जीएसटी घोटाले में ईडी ने बड़ा खुलासा किया है। ईडी ने बताया है एजेंसी ने डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस, जमशेदपुर की शिकायतों के आधार पर कार्रवाई शुरू की थी। जांच में यह बात सामने आई कि सिंडिकेट ने कागजों पर 135 शेल/बोगस कंपनियां खड़ी कीं।

पेज एक का शेष

भारतीय पुरुष और..

शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चीन का पेनल्टी स्ट्रोक रोककर भारत की बढ़त बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने महिला हॉकी में इससे पहले 1982 के दिल्ली एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद टीम 1998 और 2018 में फाइनल तक पहुंची, लेकिन दोनों बार रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अब 44 साल बाद भारत ने फिर महिला हॉकी में एशियाड गोल्ड जीता है। गौर हो कि भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मेंस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता। भारत अब 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल के साथ टैली में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत इस बार 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते। यह एशियाड में भारत का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीते थे।

30 पर जा...

भारत के लिए लड़ाकू विमानों की कुल स्वीकृत स्क्वाड्रन संख्या 42 है। जिससे वह चीन और पाकिस्तान से मिलने वाली संयुक्त सुरक्षा चुनौती से दो-दो हाथ कर सकती है। जबकि हकीकत में देखें तो हमें इससे कहीं ज्यादा विमानों की दरकार है।

एमआरएफए डील ...

अंदर उत्पादन करेगी। वहीं, समझौते के हिसाब से फ्रांस से भारत को 20 राफेल विमान बनी बनाई अवस्था में सौंपे जाएंगे। तेजस मार्क1ए की डिलीवरी की शुरुआत साल के अंत से हो जाएगी। बताते चलें कि वायुसेना को एचएएल से कुल करीब 180 तेजस विमानों की आपूर्ति की जाएगी। इस संबंध में एक समझौता 2021 में 83 एलसीए मार्क1ए विमानों की खरीद से जुड़ा है। दूसरा समझौता 2025 का है। जिसमें 97 विमानों की खरीद के लिए करार किया गया था।

मप्र के गोपालक ...

बैठक की। इसके बाद भेल दशहरा मैदान पहुंचे थे। शाह ने गो-पालक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व मप्र सरकार की जमकर तारीफ की।

46 हजार डेयरियों को और भी मजबूत किया जाएगाः - शाह ने कहा कि हमने अब श्वेत क्रांति 2.0 का शुभारंभ किया है। केंद्र सरकार ने गांवों में 75 हजार डेयरी सहकारी समितियां बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 46 हजार डेयरियों को और भी मजबूत किया जाएगा। नई डेयरी समितियों के लक्ष्य प्राप्ति में सबसे बड़ा योगदान मध्यप्रदेश का होगा। पशुओं की नस्ल सुधार, पशु आहार तैयार करने, गोबर से बायोगैस, गोबर से उत्पाद तैयार करने, चारा प्रबंधन, कृत्रिम गर्भधान के लिए सरदार पटेल को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की स्थापना की है। गोबर का वैज्ञानिक संग्रह, स्वच्छ ऊर्जा निर्माण और ग्रामीण रोजगारी के लिए 5 मॉडल बनाए गए हैं। मप्र के प्रत्येक गांव तक गोबर के उत्पाद तैयार करने का मॉडल तैयार किया जाएगा।

देश को वर्ष 2029 के अंत तक नशामुक्त बनाना हमारा लक्ष्यः शाह ने कहा कि देश को नक्सलवाद की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल गई है। उन्होंने कहा कि अब बारी पूरे देश को नशामुक्त बनाने की है। भारत को वर्ष 2029 के अंत तक नशामुक्त बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने मप्र को 31 दिसंबर 2029 तक पूर्णतः नशामुक्त प्रदेश बनाने के मप्र सरकार के संकल्प में सहयोग करने की अपील आम लोगों से की। शाह ने कहा कि नशामुक्ति के लिए सभी संभव योजनाएं तैयार की जाएंगी।

सीएम के नेतृत्व में दुग्धोत्पादन क्षेत्र में तेजी आईः शाह ने कहा कि भोपाल में हुआ यह विशाल गोपालक सम्मेलन मप्र में हो रही श्वेत क्रांति का एक शुभ संकेत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं एक गोपालक हैं, उनके नेतृत्व में मप्र पूरे देश में दुग्धोत्पादन क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की आजादी के बाद वर्ष 2013-14 तक देश में कुल दूध उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद 10 साल में ही यह 25 करोड़ टन से अधिक हो गया है। केंद्र और हमारी राज्य सरकारों की गोपालकों के लिए प्रतिबद्धता से यह लक्ष्य हासिल होता है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन में 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो अब 485 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन हो गया है। भारत अब दुनिया में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन कर रहा है। देश के दूध उत्पादक अग्रणी 5 राज्यों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं।

दूध उत्पादन में ...

उनकी आय बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने सभी तरह के प्रयास शुरू किए हैं।

हरियाणा के सभी ...

ने इस मुलाकात के लिए लंबा समय दिया, जिसके लिए हम आभारी हैं। उन्होंने कहा कि यह साधारण बैठक नहीं, बहुत महत्वपूर्ण बैठक थी। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को विकसित भारत के संकल्प से और मजबूती से जोड़ने का स्पष्ट मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी मंत्रीगण और विधायकगण प्रधानमंत्री की बातों को अपने-अपने क्षेत्र में, प्रदेश के लोगों के हित में धरातल पर उतारने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी जी का मार्गदर्शन हरियाणा का संकल्प है। प्रधानमंत्री ने जो मंत्र दिया है, वह हमारा संकल्प है। आज प्रधानमंत्री से जो दिशा मिली है, उसे केवल बैठक तक सीमित नहीं रखा जाएगा। अब हर मंत्री अपने विभाग में, हर विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में और हर कार्यकर्ता अपने गांव में इस सोच को जमीन पर उतारने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि सरकार जनता के बीच जाए, मंत्रीगण जनता के बीच जाएं, विधायक जनता के बीच जाएं और कार्यकर्ता जनता के बीच जाएं। समस्या जमीन पर जाकर सुनी जाए और समाधान जमीन पर दिखाई दे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विकसित भारत का संकल्प हरियाणा के हर गांव और हर परिवार का संकल्प बनेगा। प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देशों और मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा, शक्ति और जन भागीदारी के साथ पूरा किया जाएगा।

विकसित भारत केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं बनेगाः सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विकसित भारत केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं बनेगा। यह तब बनेगा, जब देश का हर गांव, हर किसान, हर युवा, हर महिला और हर परिवार इस संकल्प के साथ जुड़ेगा। जब हर परिवार इस संकल्प से जुड़ेगा, तभी विकसित भारत के साथ विकसित हरियाणा भी बनेगा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय संकल्प में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुसार सरकार का प्रयास रहेगा कि सरकार और जनता के बीच कोई दूरी न रहे। हर सरकारी योजना केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन भागीदारी से जन अभियान बने। प्रधानमंत्री ने लोगों को अधिक से अधिक जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि इसी के तहत विधानसभा क्षेत्रों में नियमित रूप से 30 से 35 गांवों में बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रधानमंत्री ने मार्गदर्शन दिया है कि 200 से 300 लोगों की टोली महीने में एक बार गांव में जाए। वहां स्वच्छता अभियान चले और टिफिन बैठक हो। गांव के लोगों के साथ बैठकर संवाद हो, स्थानीय समस्याओं पर चर्चा हो और उनके समाधान का रास्ता निकले।

हरियाणा को परिवार की तरह मानते हैं प्रधानमंत्रीः सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हरियाणा के साथ उनका लंबे समय तक जुड़ाव रहा है। वे हरियाणा को परिवार की तरह मानते हैं। पारिवारिक वातावरण में उन्होंने सभी विधायकों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने बताया कि पार्टी के काम के लिए वे हरियाणा के हर क्षेत्र में लोगों के घरों में रुकते थे और वहां से सबके बीच जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री हरियाणा के लोगों से बहुत स्नेह और प्यार करते हैं। उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार मंत्रीगण, विधायकगण और कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे, उनकी बातें सुनेंगे और जनता के साथ मिलकर उनका समाधान निकालेंगे।

राजनीति हमारे लिए सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम हैः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि राजनीति सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम है। प्रधानमंत्री ने सेवा के माध्यम से राजनीति का मार्ग दिखाया है। राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है। राजनीति का अर्थ है जनता के सुख-दुख में शामिल होना और उनके साथ खड़े होना। उन्होंने कहा कि हमारा कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाने वाला कार्यकर्ता नहीं है। वह सेवा के समय, संकट के समय और समाज के हर अच्छे काम में जनता के साथ खड़ा दिखाई देता है। यही सेवा भाव है। कोरोना के वैश्विक संकट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उस समय कोई दल दिखाई नहीं दे रहा था। अगर कोई दिखाई दिया तो हमारा कार्यकर्ता दिखाई दिया। हमारे विधायक और मंत्रीगण जनता के बीच उनके साथ खड़े दिखाई दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुसार मंत्रीगण, विधायक और संगठन के कार्यकर्ता सेवा के माध्यम से जनता और संगठन के संबंधों को और मजबूत करेंगे।

वडनगर में शिवराज, ...

को एक साथ वडनगर और वाराणसी से हुई थी। वडनगर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यात्रा को रवाना किया था, जबकि वाराणसी से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवा संकल्प बाइक यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। दोनों दिशाओं में निकली यात्राओं का उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों से जुड़े सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संदेश को विभिन्न राज्यों और गांवों तक पहुंचाना था।

दोनों दिशाओं से निकलीं 20 टीमेंः इस अभियान के तहत वडनगर और वाराणसी से कुल 20 टीमें रवाना की गईं। यात्रा में करीब 500 बाइक यात्री शामिल हैं। वडनगर से काशी पहुंचने वाले यात्रियों का 7 अक्टूबर को नमो घाट पर स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे नमो बुक फेस्टिवल जाएंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी 450 से अधिक पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके बाद कूच के जरिए ललिता घाट पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे और फिर जगतपुर की जनसभा में शामिल होंगे।

नितिन के साथ जुटेगा भाजपा नेतृत्वः समापन समारोह में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी को पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद काशी में उनकी पहली बड़ी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी मंच साझा करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। पार्टी ने सभा में लगभग 50 हजार लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। वहीं अभियान के दूसरे प्रमुख केंद्र वडनगर में भी समापन कार्यक्रम आयोजित होगा। इस तरह 7 अक्टूबर को वडनगर और काशी, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान और कर्मभूमि, दोनों जगह भाजपा के बड़े आयोजन होंगे।

वडनगर में शिवराज, बढ़ते राष्ट्रीय कद का संकेतः सेवा संकल्प अभियान के समापन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी को भाजपा के भीतर उनके बढ़ते राष्ट्रीय महत्व के संदर्भ में देखा जा रहा है। वडनगर जैसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण केंद्र की जिम्मेदारी शिवराज सिंह चौहान को दी गई है। शिवराज सिंह चौहान लंबे समय तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं और अब केंद्र में कृषि तथा ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और गांवों से जुड़े व्यापक राजनीतिक-सामाजिक आधार वाले इन मंत्रालयों के कारण उनका संगठनात्मक और राजनीतिक दायरा मध्य प्रदेश से आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देता है। खास बात यह भी है कि वडनगर के कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रमुख नेता शुभेंदु अधिकारी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहेंगे। इस तरह भाजपा ने वडनगर के आयोजन में संगठन, केंद्र और राज्यों के प्रमुख चेहरों का संयोजन किया है।

2022 से चल ...

रूस के साथ संघर्षविराम को लेकर मध्यस्थता करने के लिए दुनिया के कुल चार देशों से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिसमें भारत के अलावा तुर्किये, मिस्र और अमेरिका मुख्य रूप से शामिल हैं। अभी फिलहाल हमारे समक्ष सभी प्रस्ताव विचाराधीन हैं।

संघर्षविराम के लिए यूं राजी होगा यूक्रेनः सबिहा ने कहा कि यूक्रेन रूस के साथ संघर्षविराम के लिए एक शर्त के साथ तभी तैयार होगा। जब संबंधित प्रस्ताव में न केवल सैन्य अभियानों को पूरी तरह से रोकने को स्वीकृति प्रदान की जाएगी। बल्कि उसके अलावा ऊर्जा और बंदरगाह ढांचे पर किए जा रहे हमलों पर भी रोक लगाई जाएगी। यहां पर काला सागर की स्थिति को भी ध्यान में रखना बेहद जरूरी हो जाता है। कीव को अभी तक मिले चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक भारत का है। यूक्रेन ऊर्जा तथा काला सागर में (खासतौर पर कृषि उत्पादों को लेकर) संघर्षविराम करने के लिए राजी है। लेकिन उसमें इन मसलों का भी समावेश किया जाना चाहिए।

नई कूटनीतिक पहल का संकेतः उन्होंने कहा कि भारत का यह प्रस्ताव युद्ध के दौरान की गई नई कूटनीतिक पहल का संकेत देता है। हम पूर्व में ही अपने तमाम साझेदारी के समक्ष शांति प्रस्तावों पर कार्य करने की इच्छा जता चुके हैं। यूक्रेन ने इस बाबत अपना नजरिया भी सभी के सामने स्पष्ट किया है। अब हम इन विभिन्न संघर्षविराम प्रस्तावों पर भी काम करने के लिए तैयार हैं।

बातचीत-कूटनीति से निकले समाधानः मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर लगातार रूस और यूक्रेन में 2022 से यानी बीते करीब चार साल से अधिक समय से चल रहे भीषण युद्ध के बीच शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए बातचीत व कूटनीति के विकल्प को ही अपनाने पर जोर देते रहे हैं। पीएम मोदी ने रूस और यूक्रेन के राष्ट्राध्यक्षों के साथ कई मौकों पर हुई बातचीत में कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है और लड़ाई को जितना जल्दी हो सके समाप्त किया जाना चाहिए। विवादों का समाधान युद्धक्षेत्र में निकाला नहीं जा सकता है, संघर्ष के दौरान भारत महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाए जाने के भी सख्त खिलाफ है। इसके अलावा हमारा यह मत है कि दोनों पक्षों में शांति स्थापित करने के लिए हम किसी भी तरह से मदद पहुंचाने या अपना समर्थन प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

यूपी में ट्रांसफर का दौर जारी

15 आईएएस और 23 पीसीएस प्रशासनिक अफसरों के तबादले

एजेंसी ⏭ लखनऊ

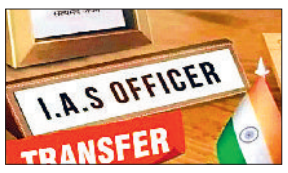

योगी आदित्यनाथ सरकार ने शनिवार तीन अक्टूबर को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। सरकार ने 15 आईएएस और 23 पीसीएस अफसरों का ट्रांसफर किया है। इन तबादलों को चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। बीती 20 सितंबर को सरकार ने दस आईएस अधिकारियों का तबादला कर दिया था। आईएएस अमित कुमार घोष और अमृत अभिजात समेत दस अधिकारियों को नई तैनाती दी गई थी।

आईएएस अफसरों के ट्रांसफर में खनन सचिव माला श्रीवास्तव से सचिव खनन का प्रभार ले लिया गया है। उन्हें अब निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म की जिम्मेदारी दी गई है। पंचायती राज के निदेशक आईएएस अधिकारी अमित सिंह को हटाकर हरिप्रताप शाही को निदेशक पंचायती राज बनाया गया है। अमित सिंह को प्रबंध निदेशक पीसीडीएफ पद का कार्यभार दिया गया है।

श्रीहरि प्रताप शाही को निदेशक, पंचायती राज की जिम्मेदारी

श्रीहरि प्रताप शाही को निदेशक, पंचायती राज बनाया गया है। वह अब तक अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूपीईडा के पद पर थे। निदेशक, पंचायती राज के पद पर तैनात अमित कुमार सिंह को प्रबंध निदेशक, पीसीडीएफ नियुक्त किया गया है। वह इससे पहले थे। प्रकाश बिन्दु को सचिव, चिकित्सा शिक्षा बनाया गया है। इससे पहले वह प्रबंध निदेशक, पीसीडीएफ के पद पर थे। नीरज शुक्ला प्रबंध निदेशक पीसीएफ बनाए गए है। नीरज शुक्ला अपर आयुक्त आवास विकास परिषद के पद पर थे। इसके अलावा चिकित्सा शिक्षा से जुड़े दो प्रमुख पदों पर भी बदलाव किया गया है।

कहासुनी के बाद हाथापाई, पुलिस ने संभाली स्थिति

गोरखपुर में सपा की प्रेसवार्ता में हंगामा, कुर्सी को लेकर भिड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोरखपुर

सपा के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब कुर्सी पर बैठने को लेकर पार्टी के दो कार्यकर्ताओं के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी हाथापाई में बदल गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

दरअसल पार्टी पिछड़ा प्रकोष्ठ के नेता नगीना साहनी प्रेसवार्ता में शामिल होने पहुंचे थे और एक कुर्सी पर बैठे थे। इसी दौरान सपा कार्यकर्ता अंशुमान सिंह वहां पहुंचे और बैठने के लिए जगह देने की बात कही। इसी को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच हाथापाई की स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने का प्रयास किया। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।प्रेसवार्ता के दौरान हुए इस विवाद का वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। घटना को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं। वहीं, सपा नेता नगीना साहनी ने पूरे घटनाक्रम को लेकर अपनी बात रखी है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 4 अक्टूबर 2026

स्पेशलः मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

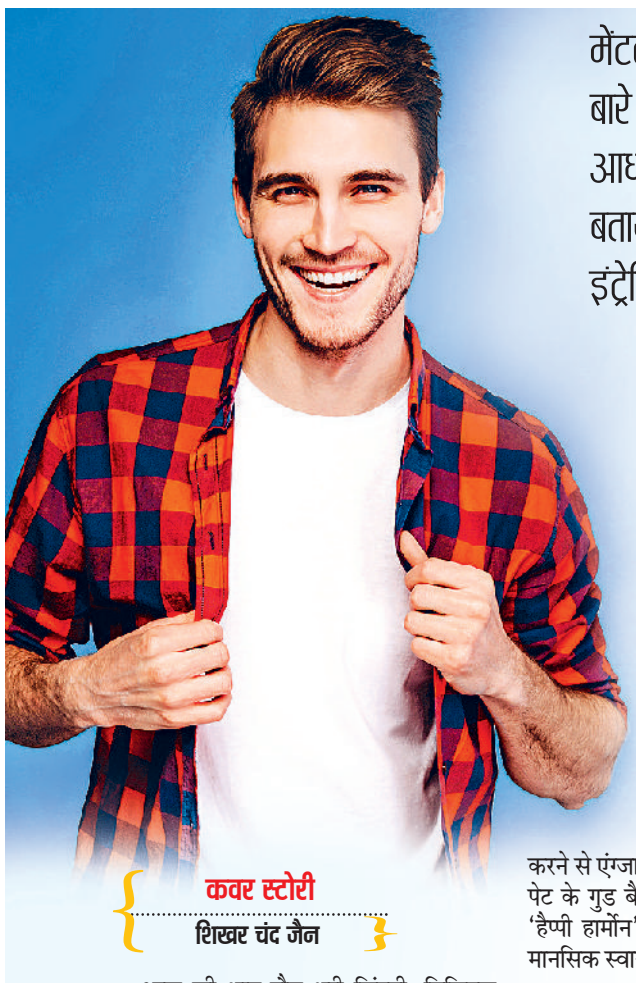

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।

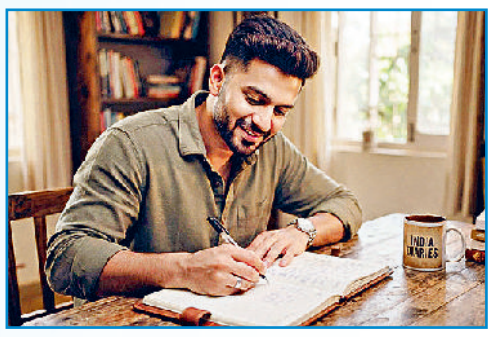



कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।

क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।





वॉर्म्थ थेरेपीः गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। *

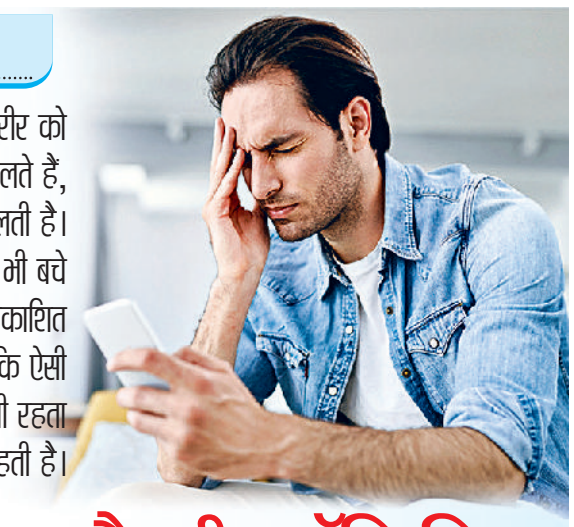

न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।





अच्छे खाने से मिले खुशीः भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉगः जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशनः आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्सः हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। *



गजल
कृष्ण बिहारी

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्धम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।



एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। *

लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया

अनुभवी



कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र



टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' *

पत्रिकाः बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए, प्रकाशन स्थलः शालीमार बाग, नई दिल्ली

स्वच्छ भारत के संकल्प को जन-जन का आंदोलन बनाना जरूरी

गांधी जयंती पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जेपी अस्पताल में श्रमदान कर स्टाफ को दिलाई स्वच्छता की शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल


जेपी अस्पताल में सफाई करते डिप्टी सीएम शुक्ल।

गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जेपी अस्पताल में स्वच्छता का संदेश जनभागीदारी के साथ दिया गया। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता अभियान में शामिल होकर श्रमदान किया और स्वच्छ अस्पताल को स्वस्थ समाज की पहली जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित नहीं, बल्कि इसे प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक आदत बनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को जन-जन का आंदोलन बनाने के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी है। उप मुख्यमंत्री ने मातृ एवं शिशु रोग विभाग के सामने ऑक्सीजन प्लांट के पास साफ-सफाई कर श्रमदान किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के स्टाफ को अस्पताल परिसर की स्वच्छता बनाए रखने और नियमित रूप से श्रमदान में भाग लेने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि अस्पताल जैसे स्थानों पर स्वच्छ वातावरण का सीधा संबंध मरीजों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य से है। गांधीजी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को जीवन में अपनाकर ही स्वच्छ और स्वस्थ भारत की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और चिकित्सालय का स्टाफ मौजूद रहा।

कायस्थम ने गांधी-शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि, भजन भी हुए


कायस्थम

कायस्थ समाज की संस्था कायस्थम मप्र ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कायस्थम के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पुरानी विधानसभा मिंटो हाल स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया। इस अवसर पर भजन भी प्रस्तुत किए गए। कायस्थम ने कायस्थ कुल के गौरव भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व शास्त्री की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की दोनों महान विभूतियां आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। इस मौके पर कायस्थम के कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना, सचिव आलोक श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य संजय खरे, विशेष आमंत्रित सदस्य राजेश खरे, अजय कुमार श्रीवास्तव, विष्णु कांत सहाय, उमंग खरे, रत्ना खरे, रचना सक्सेना डेविड, अर्चना भटनागर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रेलवे में स्वच्छता अभियान, प्रभात फेरी से लेकर श्रमदान तक हुए कार्यक्रम



गांधी जयंती पर शुक्रवार को भोपाल मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, कॉलोनियों और रेलवे प्रतिष्ठानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वच्छता में सहभागिता; स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम पर हुए आयोजनों में प्रभात फेरी, श्रमदान, स्वच्छता शपथ और वृक्षारोपण किया गया। हबीबगंज रेलवे कॉलोनी में निकली प्रभात फेरी में अपर मंडल रेल प्रबंधक अभिराम खरे, अपर मंडल रेल प्रबंधक योगेंद्र बघेल समेत अधिकारी शामिल हुए। इटारसी स्टेशन पर भी प्रभात फेरी निकालकर यात्रियों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। डीजल लोको शेड में अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान किया। वहीं भोपाल, बीना, इटारसी और गुना के रेलवे अस्पतालों तथा अन्य परिसरों में सफाईमित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शिविर लगाए गए। बीना में सफाईमित्रों को मास्क और पीपीई किट भी वितरित की गईं। रेलवे स्कूल इटारसी में विद्यार्थियों ने सफाई अभियान में भाग लिया।

लहारपुर में 51 कुंडीय राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ की तैयारियों को लेकर बैठक

स्वच्छता के साथ दिया नशामुक्ति का संदेश


स्वच्छता और नशामुक्ति का संदेश देते श्रद्धालु।

परिसर में श्रमदान कर चलाया स्वच्छता अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को गायत्री शक्तिपीठ में स्वच्छता अभियान, प्रयाज बैठक एवं नशामुक्ति जनजागरण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः 10 बजे से शक्तिपीठ परिसर एवं अश्वमेध भवन में सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर गांधीजी के स्वच्छता संदेश तथा शास्त्रीजी की सादगी, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा को स्मरण करते हुए उन्हें सेवा और श्रमदान के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दोपहर 2 बजे आगामी 7 से 10 जनवरी 2027 तक लहारपुर दशहरा मैदान, बाग मुगलिया, भोपाल में आयोजित होने वाले 51 कुंडीय राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ के प्रयाज कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। विभिन्न समितियों का गठन किया गया तथा कार्यकर्ताओं को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। इसी क्रम में मयंक राव भारद्वाज को प्रचार-प्रसार संयोजन का दायित्व सौंपा गया।

जीएमसी में लिया प्लास्टिक, रैगिंग मुक्त का संकल्प


जीएमसी में मौजूद जीएमसी स्टाफ।

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर डीन डॉ कविता एन सिंह के मार्गदर्शन में विभागाध्यक्षों, छात्रों ने सेवा संकल्प अभियान का संकल्प लेकर मनाया। इस अवसर पर गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत महाविद्यालय में विभिन्न हाउसेस के विद्यार्थियों के लिए दीवार चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विजेता रेड हाउस को प्रशस्ति पत्र और सफाई कर्मियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । जीएमसी डीन ने संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त, रैगिंग मुक्त रखने की संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में डॉ आरपी कौशल, डॉ संध्या नायर, डॉ भारती परिहार, डॉ मनीष सूलिया, डॉ जेपी अग्रवाल, डॉ पूर्वा गोहिया, डॉ संदीप मास्कोले, डॉ ऋतु बाला सोनी, डॉ अभिजीत यादव, डॉ हुमा नुसरत, सोनम और प्रथम वर्ष के विद्यार्थी एवं संस्था के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयंती पर श्रम और मानव गरिमा का हुआ सम्मान



गोविंदपुरा स्थित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भेल में शुक्रवार को गांधी जयंती श्रद्धा और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को याद किया। इस दौरान विद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया गया। प्राचार्य डॉ. पूनम अवस्थी ने कहा कि स्वच्छता कर्मियों का सम्मान केवल उनका सम्मान नहीं, बल्कि श्रम, स्वच्छता और मानव गरिमा का सम्मान है। कार्यक्रम में उप प्राचार्या रेखा श्रीवास्तव, शिक्षकगण और विद्यार्थी मौजूद रहे। सभी ने स्वच्छता एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया।

दुर्गा झांकी में न्यू मार्केट में होंगे नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन



रोशनपुरा पर तैयार हो रही झांकी।


अजय देवनानी


पंकज वरदानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

न्यू मार्केट दुर्गा उत्सव समिति की ओर से इस बार रोशनपुरा चौराहे पर देवभूमि द्वारका के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री नागेश्वर मंदिर की करीब 60 फीट ऊंची प्रतिकृति तैयार की जा रही है। पांच हजार वर्गफीट में मुख्य पंडाल बनाया जा रहा है। आयोजक पवन वरदानी, सचिव अजय देवनानी ने बताया कि पंडाल में मां अंबे की स्थापना के साथ समुद्र मंथन के प्रसंगों को भी दर्शाया जाएगा। करीब 40 बाय 12 फीट में समुद्र मंथन के साथ झांकी में 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां भी स्थापित की जाएंगी। झांकी के निर्माण पर करीब 48 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

दो माह से जुटे 20 कलाकार

बंगाली कलाकार कार्तिकेय के नेतृत्व में 20 कलाकार पिछले दो माह से झांकी निर्माण में जुटे हैं। समिति के अनुसार झांकी का करीब 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत का संदेश

समिति इस बार स्वदेशी, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत का संदेश भी देगी। परिसर में डस्टबिन रखे जाएंगे और पॉलीथिन का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। सजावट में इको-फ्रेंडली लाइट्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

सीसीटीवी से निगरानी, अलग होंगे एंट्री-एग्जिट

पूरे झांकी स्थल पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। फायर सिलेंडर, फर्स्ट एड किट, अन्य सुरक्षा उपकरण के साथ दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए व्हीलचेयर भी होगी। तैयारियां समिति अध्यक्ष सतीश गंगराड़े, कोषाध्यक्ष तरुण सिंह और उपाध्यक्ष गौरव आरतवानी के मार्गदर्शन में चल रही हैं।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने आयोजित किया आत्मरक्षा ट्रेनिंग कैंप

भोपाल। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन मप्र आत्मरक्षा ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 400 से अधिक छात्राओं ने आत्म सुरक्षा की ट्रेनिंग ली। यह कार्यक्रम तीन दिनों तक चला, जिसमें मध्यप्रदेश के दूरस्थ स्थित जिले की 400 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया।

इस ट्रेनिंग टाइम कैंप में प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह, प्रदेश महामंत्री लक्ष्मीकांत मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार दीक्षित, संभागीय अध्यक्ष ग्वालियर एवं चंबल संभाग अवधेश शर्मा, शिवपुरी के जिला अध्यक्ष रघुनंदन त्यागी, सभी जिलों के जिला अध्यक्ष शामिल हुए।

एम्स में राष्ट्रीय फार्मा कॉविजिलेंस सप्ताह मनाया गया

आम लोगों तक पहुंचा सुरक्षित दवा और सुरक्षित चिकित्सा उपकरण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



एम्स के फामार्कोलॉजी विभाग (औषधि विज्ञान विभाग) ने छठा राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह मनाया। इस वर्ष का विषय तर्कसंगत दवाएं और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणः सुरक्षित स्वास्थ्य सेवा के लिए फामार्कोविजिलेंस और मैटेरियोविजिलेंस को सशक्त बनाना रहा। सांची के सिविल अस्पताल (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) और रातीबड़ के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जागरूकता कार्यक्रम हुए। लोगों को पीवीपीआई की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-180-3024, मोबाइल एप और उपभोक्ता रिपोर्टिंग फॉर्म की जानकारी दी गई। एम्स भोपाल के अस्पताल परिसर और पास की दवा दुकानों में पोस्टर लगाए गए और पर्चे बांटे गए। ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) के प्रतीक्षा क्षेत्रों में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम भी हुआ। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं में नर्सिंग अधिकारियों, नर्सिंग और फामेर्सी के विद्यार्थियों ने भाग लिया और विजेताओं को सम्मानित किया गया। भोपाल के तीन फामेर्सी कॉलेजों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को फामार्कोविजिलेंस के बारे में जागरूक किया गया।

कोरिया के पटना-पंडोपारा मार्ग की घटना

सड़क हादसे में पांच महिलाओं की मौत, 10 घायलों में 3 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरिया



जिले के पटना-पंडोपारा मार्ग पर हुए भीषण हादसे में तेज रफ्तार पिकअप ने सड़क पर जा रहे एक बैल को जोरदार टक्कर मार दी और अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे एक ऑटो से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क से करीब दो फीट नीचे जा गिरा।

ऑटो में 13 से 14 महिलाएं सवार थीं। सभी महिलाएं करहीपारा से बिलारी गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में उपचार के दौरान तीन महिलाओं की मौत की पुष्टि हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतकों में फूलकुंवर (45), रामबाई (62) और फूलकुंवर (52) के नाम सामने आए हैं। हालांकि मृतकों की संख्या और उनकी पहचान की प्रशासनिक स्तर पर आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

पुलिस कर रही मामले की विस्तृत जांच

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अस्पताल पहुंचे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली। जिला प्रशासन की ओर से पटना तहसीलदार समेत संबंधित अधिकारियों को अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने हादसे के कारणों और पिकअप चालक के संबंध में जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

जहांगीराबाद के आठ केंद्रों की कार्यकर्ताओं ने पूरी की 25 साल की सेवा

नौनिहालों के आंगन में सजा मिलन सेवा का मंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



जहांगीराबाद स्थित बड़वाली मस्जिद के पास यूनानी शफाखाना के आंगनबाड़ी केंद्र में शुक्रवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत मिलन सेवा कार्यक्रम रखा गया। जिसमें केंद्र क्रमांक 560, 571, 579, 569, 575, 584, 553 और 554 की कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी में सेवा के 25 साल पूरे होने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड 34 के पार्षद विलास राव धाड़े ने किया। जबकि परियोजना अधिकारी हिबा खानम ने केंद्रों में काम करने वाली कार्यकर्ता शबाना खान, नाजवर, शादमा, रेशमा को को सम्मानित किया। इस मौके पर पोषण आहार से जुड़ी जानकारी बच्चों के पालकों को दी गई। इसके बाद परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ी गर्भवती महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जिसके साथ उन्हें जरूरी दवाईयां भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं की सेहत को लेकर आकर्षक पोषण प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसमें कम लागत में पौष्टिक व्यंजन बनाने के तरीके बताए गए।

विकास कार्यों, सुशासन पर हुई चर्चा

सीएम साय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से उनके निवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की पहलों की जानकारी शेयर की। मुख्यमंत्री ने बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के विकास और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। सीएम साय ने नई दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव, छत्तीसगढ़ की प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से उनके निवास पर भेंट की।

समाज के प्रत्येक वर्ग को मिल रहा योजनाओं का लाभ

सीएम ने महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास, रोजगार, किसानों की आय, कृषि आधारित गतिविधियों तथा आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग और प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचे। सीएम ने राज्य की जनहितकारी योजनाओं की प्रगति से भी उन्हें अवगत कराया।

पुलिस विभाग में नौकरी लगवाने के नाम पर 11.30 लाख रुपए ठगने का मामला

पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार, जेल पहुंचा, दो पहले ही गिरफ्तार हो चुके

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले में पुलिस विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर 11.30 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी अमन यादव को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले के दो आरोपी उत्तरा सिदार और संजू यादव को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामला चक्रधरनगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, 25 अक्टूबर 2025 को अलेन किड़ो ने चक्रधरनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके भतीजे राहुल किड़ो को छत्तीसगढ़ पुलिस में कांस्टेबल पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर आरोपियों ने 11 लाख 30 हजार रुपये की ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

कांस्टेबल पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर पीड़ित को बनाया निशाना



अलग-अलग कई टुकड़ों में लिए पैसे

किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ उत्तरा सिदार ने प्रारंभ में 50 हजार की मांग की थी। इसमें उसने 30 हजार उत्तरा सिदार को दिए, जबकि इसके बाद संजू यादव को 20 हजार दिए। इस दौरान आरोपियों ने उसे बताया कि यह राशि रायपुर निवासी विकास सिदार को देनी है, जो नौकरी लगाने में मदद करेगा। इसके बाद पीड़ित ने विकास सिदार सहित उसके अन्य साथियों के खातों में अलग-अलग रकम जमा कर दी।

फर्जी दस्तावेज एवं नियुक्ति पत्र दिखाए

पुलिस जांच में आरोपियों द्वारा फर्जी दस्तावेज एवं नियुक्ति पत्र दिखाकर पीड़ित को विश्वास में लेने की बात सामने आई। इस पर थाने में आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 468 और 34 आईपीसी के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने उत्तरा सिदार और संजू यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। पुलिस के लगातार बढ़ते दबाव के चलते आरोपी अमन यादव न्यायालय में सरेंडर करने पहुंचा, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में अमन यादव ने बताया कि उत्तरा सिदार और संजू यादव के कहने पर ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए उसने अपना बैंक खाता नंबर उपलब्ध कराया था। इसके एवज में उसे रकम देने की बात कही गई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अमन यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

देश में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। चुनाव आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं। इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके? जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है? इसके लिए पारदर्शिता बेहद जरूरी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर पर हंगामा : हकीकत से ज्यादा फसाना



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुर्श दिख रहा है। मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है।



संस्थाओं पर बहस हो, लेकिन तथ्यों के आधार पर

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग बार-बार यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि एसआईआर मतदाताओं को बेहतर सुविधा देने की व्यवस्था है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य है, कोई भी वैध और योग्य मतदाता छूटे नहीं। मोटे तौर पर एसआईआर का एक ही मकसद है, हर योग्य और वैध मतदाता को सूची में जोड़ना, दिए गए पते पर न रहे मतदाताओं और मृतकों का नाम सूची से हटाना। इसके साथ ही विदेशी और घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना है। एक आरोप यह लग रहा है कि मतदाता सूची तैयार करने में ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर की भूमिका बीएलओ और ईआरओ की तुलना में बढ़ गई है, जिसकी वजह से मतदाता सूची को फाइनल करने के ईआरओ के अधिकार दरकिनार हो गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। ईसीआईनेट सिर्फ तकनीकी मंच है, जिसकी बुनियाद अधिकारियों द्वारा घर-घर से जुटाए आंकड़े हैं। नहीं भूलना चाहिए कि मतदाता सूची में किसी नाम को जोड़ने या उसे हटाने का निर्णय सिर्फ ईआरओ ही ले सकता है और वह भी जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 के तहत, नोटिस और सुनवाई के बाद ही ऐसा कर सकता है। कहना न होगा कि ऐसा ही हो रहा है। लेकिन राजनीति इसे देखने की बजाय अपने हिसाब से घटनाओं और कार्यों की व्याख्या कर रही है।

ज्यादा आपत्ति बिहार-प. बंगाल से

सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है। एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं।

यह है मानक प्रक्रिया

मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग-अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केंद्र का दौरा किया जा सकता है।

दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरा-तफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम दर्ज न होना, नाम की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना पाया गया है।

ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर

अधिकारियों का कहना है कि ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ भी गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब अधिकारी ईसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रहा है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध मतदाता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है। मौजूदा बहस में नागरिकों के लिए कुछ प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं,क्या पुनरीक्षण निर्धारित संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत हुआ? क्या किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया? यदि ऐसा हुआ, तो क्या दावा और आपत्ति की प्रक्रिया के जरिए उसे सुधारा गया?

अपील की प्रक्रिया आसान बनाना महत्वपूर्ण विकल्प



व्यवस्था

प्रदीप सिंह

स्वतंत्र पत्रकार

देश की राजनीति में इस समय मतदाता सूची के शुद्धि के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर बहस के केंद्र में है। सत्तापक्ष और चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष एसआईआर की पूरी कवायद को लोकतंत्र और कानून के शासन के खिलाफ बता रहा है। कुछ विपक्षी दल, नागरिक संगठन, अकादमिक संस्थाएं और बुद्धिजीवी चुनाव आयोग के इस विशेष अभियान को गैर-कानूनी बता रहे हैं। एसआईआर को आम मतदाताओं के खिलाफ एक साजिश बताने वाले इसे देश के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए एक गंभीर प्रशासनिक, कानूनी और राजनीतिक चुनौती बता रहे हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए इसकी कानूनी वैधता को बरकरार रखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर नाम हटने और प्रक्रियात्मक पारदर्शिता की कमी के आरोपों के कारण यह मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। दरअसल बिहार और पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों की जांच, हटाने और पुनः शामिल करने को लेकर विवाद सामने आया। यह आरोप लगा कि एसआईआर के जरिए वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग ऐसे आरोपों को खारिज करता रहा है। फिलहाल इस पूरी प्रक्रिया में हमें यह देखना होगा कि देश में एसआईआर की जरूरत क्या है, और इसका विरोध क्यों हो रहा है? क्या जरूरत और विरोध के बिंदुओं का मिलान करते हुए कोई बीच का रास्ता नहीं निकाला जा सकता है? जिससे मतदाता का अधिकार सुरक्षित रहे और मतदाता सूची भी पाक-साफ हो सके। इस विवाद को केवल सरकार बनाम विपक्ष के राजनीतिक संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका सीधा संबंध चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, मतदाता के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास से है। यह सही है कि लंबे समय तक मतदाता सूची का पुनरीक्षण न करने पर सूची में मृत लोगों के नाम, स्थान बदल चुके मतदाताओं के पुराने पते, दोहरे नाम और अन्य गलतियां समय के साथ जमा रहते हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था। लेकिन समस्या तब पैदा हुई जब कुछ वास्तविक मतदाताओं का नाम भी दस्तावेजी प्रक्रिया या किसी तकनीकी जांच के कारण सूची से बाहर हो गए। बिहार में एसआईआर के प्रारंभिक मसौदे से लगभग 65 लाख नाम बाहर रह गए थे। बाद में दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के जरिए कई मामलों की समीक्षा हुई। हमारे देश में एक सच्चाई यह भी है कि रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग दूसरे राज्यों और देशों में पलायन करते हैं। पूर्वी और उत्तर भारत के लोग दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुंबई और पंजाब जाते हैं। जबकि पंजाब के लोग कनाडा, यूरोप और केरल, तमिलनाडु के लोग खाड़ी देशों में रोजी-रोटी की तलाश में जाते हैं, और जीवन का बड़ा समय वहां गुजार देते हैं। ये परदेशी और प्रवासीसमय-समय पर अपने गांव आते तो है लेकिन जानकारी के अभाव और समय के दबाव में वे अपने पैतृक स्थान पर अपना नाम दर्ज कराने नहीं आ पाते हैं। क्या यह केंद्र सरकार के लिए चुनौती है?एसआईआर चुनाव आयोग द्वारा संचालित प्रक्रिया है, जो संविधान के तहत स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। इसलिए हर प्रशासनिक निर्णय को सीधे केंद्र सरकार का निर्णय मानना उचित नहीं होगा। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर केंद्र सरकार के लिए चुनौती जरूर पैदा हो सकती है। यह विवाद यदि लंबे समय तक जारी रहता है तो विपक्ष इसे सरकार के खिलाफ राजनीतिक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। एसआईआर पर सबसे बड़ी चुनौती जनता के विश्वास की है। चुनाव केवल मतदान का आयोजन नहीं है, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह विश्वास भी जरूरी है कि मतदाता सूची में शामिल हर योग्य नागरिक को मतदान करने का अवसर मिलेगा। यदि बड़ी संख्या में नागरिकों को अपने नाम के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने पड़ें या उन्हें यह स्पष्ट न हो कि उनका नाम क्यों हटाया गया, तो चुनावी प्रक्रिया के प्रति अविश्वास बढ़ सकता है। इस मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के सामने विकल्प की बात करें तो पहला विकल्प पूर्ण पारदर्शिता है। किस आधार पर किसी मतदाता का नाम संदिग्ध माना गया, कितने नाम हटाए गए, कितने नाम वापस जोड़े गए और कितनी अपीलें लंबित हैं- इन आंकड़ों को राज्य और निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक किया जा सकता है। अपील की प्रक्रिया को आसान बनाना भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। किसी नागरिक से नाम हटाए जाने के बाद ऐसी प्रक्रिया की उम्मीद की जानी चाहिए जिसमें वह आसानी से अपनी आपत्ति दर्ज करा सके और समयबद्ध तरीके से निर्णय प्राप्त कर सके। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है।

चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था।

अलग राय दर्ज होना संस्था का टूटना नहीं



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

देश में एसआईआर को लेकर जो बहस चल रही है, उसे सिर्फ "गड़बड़ी हो गई" कहकर नहीं समझा जा सकता। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची की गहरी जांच है। चुनाव आयोग कहता है कि मृत, दोहरे और जगह छोड़ चुके लोगों के नाम हटने चाहिए। विरोधी दल और कई नागरिक समूह कहते हैं कि सही मतदाताओं के नाम भी कट रहे हैं। बीच में यह खबर भी आई कि आयोग के अंदर कुछ फैसलों पर अलग राय दर्ज हुई। कई लोगों ने इसे संस्था के टूटने जैसा पढ़ लिया।

संवैधानिक संस्थाओं में राय का फर्क अपने आप में गड़बड़ी नहीं होता। गड़बड़ी तब होती है, जब फर्क छिपाया जाए, नियम तोड़े जाएं, या आदमी को जवाब देने का मौका न मिले। एसआईआर कोई नया अलग कानून नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 324 मतदाता सूची की तैयारी चुनाव आयोग को सौंपता है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 (3) आयोग को कारण लिखकर विशेष पुनरीक्षण का अधिकार देती है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। शुरुआत बिहार से हुई। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम इलेक्शन कमीशन मामले में अदालत ने कहा कि एसआईआर पुराने कानून से टकराता नहीं है और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव के लक्ष्य को कमजोर नहीं करता। यानी सूची साफ करने की शक्ति गलत नहीं है। पर शक्ति और जमीन पर अमल एक बात नहीं है। बिहार में प्रारूप सूची से करीब 65 लाख नाम बाहर रहे। अंतिम सूची में मतदाता करीब 7.89 करोड़ से घटकर लगभग 7.42 करोड़ रह गए। बाद के चरणों में नाम कटने और नोटिस जाने की शिकायतें बढ़ीं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि दो निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ फैसलों पर लिखित आपत्ति दर्ज की। आयोग ने 26 सितंबर 2026 को कहा कि एसआईआर के आदेश तीनों की सर्वसम्मति से पास हुए थे और विचार के दौरान अलग टिप्पणी सामान्य है। ऐसा फर्क दूसरी संवैधानिक संस्थाओं में भी रहा है। सबसे बड़ा उदाहरण केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य का मामला है, जिसका फैसला 24 अप्रैल 1973 को आया। केरल के एडनीर मठ के प्रमुख स्वामी केशवानंद भारती ने केरल के जमीन सुधार कानून को चुनौती दी थी। असली सवाल जमीन से बड़ा था। क्या संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान का कोई भी हिस्सा, यहां तक कि मौलिक अधिकार भी, बदल सकती है? यह सुनवाई भारत के इतिहास की सबसे बड़ी पीठ ने की। तेरह जजों की राय 7 के मुकाबले 6 से बंट गई।

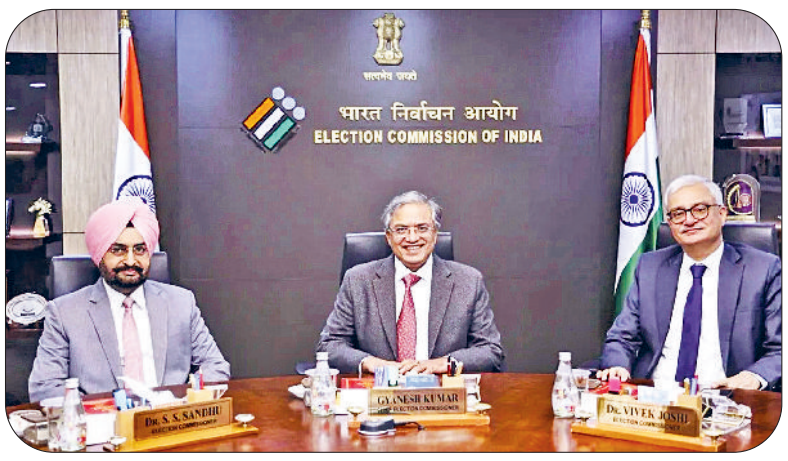

केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।

बहुमत ने कहा कि संसद संविधान संशोधित कर सकती है, पर उसका मूल ढांचा नहीं मिटा सकती। लोकतंत्र, न्यायिक समीक्षा, संघवाद और अधिकारों का मूल इस ढांचे में आता है। अल्पमत मानता था कि संशोधन की शक्ति इतनी बांधी हुई नहीं है। फैसला एक वोट से टिका। उस समय भी तीखी बहस हुई। आज वही बंटवारा संविधान की सबसे बड़ी सुरक्षा माना जाता है। केशवानंद में फर्क गड़बड़ी नहीं था। वह संविधान को बचाने वाली बहस थी। एक और उदाहरण लें। आपातकाल में मिसा कानून के तहत बंद लोगों ने बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाएं डाली थीं। सवाल था कि क्या अनुच्छेद 21 का जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार उस समय भी अदालत में मांगा जा सकता है। चार जजों के बहुमत ने कहा कि आपातकाल में यह दरवाजा बंद है।

जस्टिस एच. आर. खन्ना अकेले असहमत रहे। उनका कहना था कि जीवन और आजादी संविधान की देन नहीं, इनसे राज्य भी वंचित नहीं कर सकता। बाद में देश ने उनकी असहमति को सही माना और 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उस बहुमत वाले फैसले को गलत ठहराया। रिपोर्टों के मुताबिक करीब 38 लाख अपीलों में से अधिकांश रुकी रहीं, और जो निपटीं उनमें ज्यादातर नाम वापस जुड़े। केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।

पारदर्शिता से ही बढ़ेगी विश्वसनीयता



चुनाव आयोग

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के बरसों में कामकाज के तरीकों को लेकर चुनाव आयोग लगातार विवादों में रहा है। विपक्ष का उस पर अविश्वास इतना गहरा शायद कभी नहीं रहा, जहां उसके तमाम फैसलों पर संदेह जताया गया। ऐसे में आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़ा जो खुलासा हुआ है, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। चुनाव आयोग (ईसीआई) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। कहा गया है कि दो चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के बीच कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद रहे हैं। इनमें मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी शामिल है। विपक्ष इन दिनों लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं।

इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। हालांकि, चुनाव आयुक्तों को हटाना आसान नहीं है। उन्हें संसद में महाभियोग की प्रक्रिया के जरिये ही हटाया जा सकता है। लेकिन चुनाव आयोग की अपनी विश्वसनीयता के लिए जरूरी है कि वह इन सवालों पर अंदरूनी तौर पर गंभीर चर्चा करे और जनता को पारदर्शी तरीके से बताए कि वह किस तरह काम कर रहा है और भविष्य में ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए क्या कदम उठाएगा। आयोग ने फिलहाल इतना ही कहा है कि उसके निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए, लेकिन इससे पूरी स्थिति स्पष्ट नहीं होती। खैर, चुनाव आयोग पर पक्षपात का निष्कर्ष निकालने में जल्दबाजी भी नहीं करनी चाहिए। यह समझना जरूरी है कि भारत जैसे विशाल देश में चुनाव व्यवस्था चलाना बेहद कठिन काम है। देश में करीब एक अरब मतदाता हैं और आयोग के पास सीमित संसाधन हैं। इसलिए हमें सिर्फ आरोप लगाने के बजाय यह सोचना चाहिए कि ऐसी समस्याओं को दूर कैसे किया जा सकता है ताकि बड़ी संख्या में योग्य मतदाताओं के नाम गलती से मतदाता सूची से न हटें। मुख्य बात यह है कि हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में तो विवाद अभी तक शांत नहीं हुआ है। हालांकि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें इसके खिलाफ अपील करके अपना जवाब देने का विकल्प दिया गया है। इस घटना से विपक्ष के आरोपों को बल मिलेगा और एसआईआर को लेकर शंका बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और ऐसी हो कि एक भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। 2025 के एसआईआर को लेकर उठे सवाल, आयोग का पक्ष, विशेषज्ञों की आपत्तियां और सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला, सभी को देखें तो यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता और चुनावी व्यवस्था में नागरिक के अधिकार से जुड़ा बड़ा सवाल है। इस पूरे विवाद से जो अहम बातें सामने आती हैं, वो है- सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने चाहिए और यह साफ होना चाहिए कि आयोग महत्वपूर्ण फैसलों पर सहमति कैसे बनाता है। साफ है, देश में स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे जरूरी आधार चुनाव आयोग है। जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा किसी अन्य सरकारी विभाग की तुलना में अधिक है, क्योंकि वह स्वयं लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रहरी है। उसकी विश्वसनीयता किसी सरकार, किसी राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति से बड़ी है। इसलिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि चुनाव आयोग के भीतर कौन किससे असहमत है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके?



हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया कांग्रेस पर हमला, जनादेश का अपमान बताया

जब जनता कांग्रेस को नकारती है, तो कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं और जनता के जनादेश को बदनाम करने लगती है: शिवराज सिंह

कहा, चुनावी हार छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर हमला और लोकतंत्र को बदनाम करना ही कांग्रेस का एजेंडा बन चुका है

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी के निर्देश पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को 'अवैध' बताना संवैधानिक संस्थाओं और जनादेश का अपमान है। चौहान ने कहा कि राहुल के निर्देश पर खड़गे द्वारा दिया गया बयान उनकी हताशा, पराजय और संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार करने की पुरानी परिपाटी का एक और प्रमाण है। जब-जब जनता कांग्रेस को चुनावों में नकारती है, तब-तब कांग्रेस, चुनाव आयोग, ईवीएम को बदनाम करने की साजिश करती है।



कांग्रेस का लोकतंत्र तभी वैध जब वो सत्ता में

उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस की नजर में लोकतंत्र केवल तभी वैध होता है, जब गांधी परिवार या कांग्रेस सत्ता में हो? जहां एक लोकतांत्रिक देश में किसी सरकार का 5 साल तक चल जाना भी एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, वहीं भारत जैसे विविधतापूर्ण और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लगातार 3 बार मुख्यमंत्री पद पर और फिर लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में जनता द्वारा ऐतिहासिक बहुमत से चुना जाना यह साबित करता है कि देश की जनता का विश्वास किस पर है?

खरगे जनता को गुमराह कर रहे

सिंह ने कहा कि खड़गे ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त अधिनियम, 2023 को संसद के दोनों सदनों द्वारा पूरी तरह लोकतांत्रिक, संवैधानिक और पारदर्शी तरीके से पारित किया गया है। इसमें नेता प्रतिपक्ष को चयन समिति का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है।

कांग्रेस ने दशकों तक मनमानी ढंग से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की

कांग्रेस शायद अपना इतिहास भूल गई है। दशकों तक कांग्रेस सरकारों ने बिना किसी कानून या पारदर्शी चयन समिति के, केवल प्रधानमंत्री कार्यालय की एक पर्ची पर मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की और बाद में उन्हें मंत्री पद तथा सांसद का इनाम दिया। आज जब एक वैधानिक और पारदर्शी व्यवस्था बनी है, तो कांग्रेस निराधार आरोप लगा रही है। मतदाता सूची को अपडेट करना, फर्जी और दोहरे नामों को हटाना तथा योग्य नागरिकों को जोड़ना चुनाव आयोग की एक सतत और वैधानिक प्रक्रिया है। चुनाव आयोग नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से दावा और आपत्ति के फॉर्म स्वीकार करता है। कांग्रेस 'गरीबों' और 'मुस्लिम अल्पसंख्यकों' के नाम पर डर और भ्रम का माहौल बनाकर अपनी तुष्टीकरण की राजनीति को जिंदा रखना चाहती है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता केवल वैध और निष्पक्ष मतदान का पक्षधर है।

जहां कांग्रेस जीतती है, वहां ईवीएम पर आपत्ति नहीं

चौहान ने कहा कि जब कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना या हिमाचल में जीतती है, तब उसे ईवीएम पर कोई आपत्ति नहीं होती। जब जनता कांग्रेस के भ्रष्टाचार और विभाजनकारी राजनीति को खारिज कर देती है, तो हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ दिया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार ईवीएम की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर अपनी मुहर लगा चुका है। कांग्रेस देश को बूथ कैप्चरिंग, मतपेटी लूटने के दौर में लाना चाहती है।

खबर संक्षेप

बंगाल विस स्पीकर की तबीयत बिगड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस को शुक्रवार रात सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका पूर्वी कोलकाता में ईस्टर्न मेट्रोपॉलिटन बाईपास के पास एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति लगभग स्थिर है। शुक्रवार को 2कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था।



कैश फॉर जॉब मामले में सुनवाई फिर टली

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी से जुड़े लारा प्रोजेक्ट मनी लॉन्ड्रिंग केस में औपचारिक रूप से आरोप तय करने की कार्यवाही शनिवार को टाल दी। अब अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी कोर्ट पहुंचे।



बैंक के 16.35 करोड़ लौटाए, फिर भी जेल

पंचकूला। बैंक धोखाधड़ी मामले में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष मजिस्ट्रेट अदालत ने दोषी सुशील कुमार गर्ग को 1 साल की सजा सुनाई है। उस पर 15 हजार जुर्माना भी लगाया है। दोषी ने मुकदमे के दौरान बैंक की पूरी बकाया राशि 16.35 करोड़ चुका दी थी। इस मामले में दोषी की ओर से कहा गया कि वह परिवार का इकलौता कमाने वाला है।



हिंगोली में 3 घंटे में भूकंप के 2 झटके

मुंबई। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के कई इलाकों में शनिवार सुबह कुछ ही घंटों के अंतराल पर भूकंप के 2 हल्के झटके महसूस किए गए। इससे स्थानीय निवासियों में हड़कंप मच गया। किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जिला आपदा प्रबंधन के अनुसार, पहला झटका सुबह करीब 7:46 बजे लगा, तीव्रता 3.3 मापी गई।

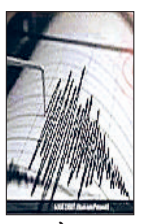

चारधाम यात्रा पर आए 4 श्रद्धालुओं की मौत

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले 3 दिन में अलग-अलग घटनाओं में चारधाम यात्रा पर आए 4श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई । राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार गंगोत्री धाम के दर्शन कर शुक्रवार को लौट रहे एक तीर्थयात्री की भटवाड़ी में तबीयत बिगड़ गई। परिजन स्वास्थ्य केंद्र ले गए, चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।



राहुल ने लॉन्च किया 'सत्याग्रह' पोर्टल, कहानी साझा करने की अपील की

'संघर्ष जोड़ो, भारत जोड़ो' के तहत देशभर से जानकारी जुटाएंगे और लोगों को भी जोड़ेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को 'सत्याग्रह' नाम का डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य देशभर में चल रहे अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों की जानकारी को एक जगह जुटाना और समान मुद्दों पर संघर्ष कर रहे लोगों को जोड़ना है। राहुल ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर लोगों से अन्याय के खिलाफ अपने संघर्ष की कहानी साझा करने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारी अपने मुद्दे की जानकारी प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इंटरैक्टिव मैप के जरिए देश के अलग-अलग हिस्सों में समान मुद्दों पर चल रहे आंदोलनों को भी देखा जा सकता है। राहुल ने कहा कि देशभर में कई लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कई बार उन्हें अकेले अपनी आवाज उठानी पड़ती है। उन्होंने छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं से जुड़े आंदोलनों का जिक्र किया।

अलग आवाजों को एक नक्शे पर लाने की कोशिश की



आंदोलन का डिजिटल प्लेटफॉर्म

लोगों का संघर्ष दिखेगा

अकेले उठने वाली आवाज दब सकती है। ऐसे में 'सत्याग्रह' के जरिए इन आवाजों को एक नक्शे पर लाने की कोशिश की गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर वे किसी अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं तो कहानी साझा करें। वह कहानी प्लेटफॉर्म के मैप पर दिखाई देगी और लोग यह भी देख सकेंगे कि देश के दूसरे हिस्सों में कौन लोग इसी तरह के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

संसद और सड़क पर साथ देने की बात

राहुल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह जरूरत के मुताबिक इन मुद्दों को संसद में उठाने, सड़कों पर लोगों के साथ खड़े होने और पत्र लिखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां भी उनकी जरूरत होगी, वह लोगों के साथ खड़े होने का प्रयास करेंगे। राहुल गांधी ने इसे नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपनी जिम्मेदारी बताया।

महंगाई, किसान और महिला सुरक्षा

राहुल ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में कई मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग चल रहे इन प्रदर्शनों की जानकारी को एक जगह लाने के उद्देश्य से वेबसाइट शुरू की गई है। राहुल ने कहा कि उनका प्रदर्शन बड़ा हो या छोटा, वे वेबसाइट पर उसकी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए नाम, समूह का नाम और प्रदर्शन किस मुद्दे को लेकर है, इसकी जानकारी दें। यदि किसी आंदोलन या प्रदर्शन को उनकी मदद की जरूरत होगी या लोग उनसे समर्थन मांगेंगे तो देंगे।

खरगे ने कहा- लोकसभा और विधानसभाएं भंग करो

गैरकानूनी तरीके से पद पर हैं मोदी-शाह, बैलेट पेपर से हों चुनाव

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं को भंग करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि सभी चुनाव गैर-कानूनी हैं और इसी आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राज्यों के मुख्यमंत्री भी गैर-कानूनी हैं।



खरगे ने मांग की कि सभी सदनों को भंग कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं और इन चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर का इस्तेमाल हो। पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि आज पूरा देश गैर-कानूनी चुनावों के आधार पर चल रहा है। मोदी एक गैर-कानूनी प्रधानमंत्री हैं, शाह एक गैर-कानूनी मंत्री हैं और जहां भी मुख्यमंत्री चुने गए हैं, वे सभी गैर-कानूनी हैं।

एसआईआर को लेकर साधा निशाना

कर्नाटक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने देश के कई राज्यों में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में कई गड़बड़ियां हैं और सरकार की ओर से कई गलतियां की जा रही हैं। इसका सीधा असर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ रहा है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है।

मध्य प्रदेश-कर्नाटक संगम की पहल

सांस्कृतिक खोज और युवा आदान-प्रदान यात्रा शुरू की

सातवें चरण का आयोजन



एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय का उच्च शिक्षा विभाग, युवाओं के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत युवा संगम के सातवें चरण का आयोजन कर रहा है। मध्य प्रदेश कर्नाटक प्रतिनिधिमंडल, जिसके लिए स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल नोडल संस्थान है, को 26 सितंबर को रवाना किया गया। यह प्रतिनिधिमंडल कर्नाटक की समृद्ध विरासत, परंपराओं, खान-पान, प्राकृतिक परिदृश्यों और सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करने के लिए कर्नाटक का दौरा कर रहा है। पर्यटन, परंपरा, प्रगति, परस्पर संपर्क और प्रौद्योगिकी ये स्तंभ प्रतिभागियों को सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, तकनीकी और विकास को जानने-समझने का अवसर प्रदान करेंगे।

देश की कला और विरासत को समझा

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण 1 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल की कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के साथ हुई बातचीत थी। इस संवाद ने युवा प्रतिनिधियों को कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने तथा राष्ट्रीय एकता और लोगों के बीच आपसी संपर्क को मजबूत करने में युवाओं की भूमिका को समझने का अवसर प्रदान किया। सांस्कृतिक और शैक्षणिक अनुभव के तहत प्रतिनिधियों ने बीदर किला और भारतीय प्रबंधन संस्थान, आईआईएम बेंगलुरु का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने 30 सितंबर को पद्म-श्री से सम्मानित प्रसिद्ध बिदरीवेयर कलाकार श्री रशीद अहमद कादरी से भी मुलाकात की। इससे शिल्पकला, इसकी समृद्ध विरासत तथा भारत के पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को समझा।

आपसी समझ और संस्कृति को जाना

प्रतिनिधियों ने गुरुद्वारा श्री नानक झीरा साहिब में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का अनुभव किया। इससे विविध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को जाना। यात्रा का उद्देश्य अनुभवात्मक अधिगम और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना और आपसी संपर्क को मजबूत करना है। यह पहल देश की सांस्कृतिक परंपराओं, शैक्षणिक संस्थानों, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और विकासात्मक पहलों का अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

तीन माह से बेटा गायब

संत प्रेमानंद के आश्रम के बाहर धरने पर बैठा हाथरस का परिवार

एजेंसी ⏭ वृंदावन

3 महीने पहले संत प्रेमानंद से प्रभावित होकर सादाबाद के गांव बरामनी निवासी 16 वर्षीय अनुज चौधरी की तलाश में जब स्वजन एक दिन पहले मिलने पहुंचे तो मिलने नहीं दिया। स्वजन के साथ ग्रामीणों ने अनुज से मिलवाने को धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। श्रीराधा केली कुंज के बाहर शुक्रवार को दोपहर साढ़े 12 बजे राजवीर चौधरी अपने बेटे अनुज चौधरी की तलाश में संत प्रेमानंद के श्री राधा केलिकुंज आश्रम आए तो बेटे से मिलने नहीं दिया। राजवीर चौधरी ने बताया अनुज ने 26 जून को संत प्रेमानंद से दीक्षा ली और घर आ गया। इसके बाद तीन जुलाई को घर से संत प्रेमानंद के दर्शन की बात कहकर निकला और फिर नहीं लौटा, तो दो दिन बाद वे बेटे की खोज में वे केलिकुंज पहुंचे तो बेटे से मिलने नहीं दिया।



बंगाल के ट्रायल कोर्ट का मामला

सुप्रीम कोर्ट को जबरन सलाह दी, अब देना होगा जवाब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

यह मामला पश्चिम बंगाल के एक ट्रायल कोर्ट के जज से जुड़ा है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट को बिना मांगी सलाह देना भारी पड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके इस व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनसे जवाब तलब किया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ) ने मई में एक विचाराधीन कैदी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत को 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करने का आदेश दिया था। आरोपी पिछले 5 साल से जेल में बंद था। तय समय समें ट्रायल पूरा नहीं हुआ, तो उत्तर 24 परगना के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (तीसरी अदालत) ने सुप्रीम कोर्ट के असिस्टेंट रजिस्ट्रार से और समय मांगा। पत्र के आखिर में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को 'जमानत कानून' सिखाना शुरू कर दिया।



मुंबई का जवाहर द्वीप





भारत का पहला प्लास्टिक मुक्त ऑयल टर्मिनल बना

मुंबई। पोर्ट अथॉरिटी ने जवाहर द्वीप मरीन ऑयल टर्मिनल को प्लास्टिक-मुक्त घोषित किया है। यह घोषणा महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मुंबई के इंदिरा डॉक के ग्रे गेट पर आयोजित स्वच्छता अभियान 2026 के दौरान की गई। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इसका नेतृत्व किया। कार्यक्रम में मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष डॉ. एम. अंगमुथु, उपाध्यक्ष रवीश कुमार सिंह और अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में उपराष्ट्रपति ने कहा

आर्थिक नीतियों को जमीनी वास्तविकताओं से जोड़ें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में पांचवें कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत को ऐसी आर्थिक नीतियों की जरूरत है, जो लचीली, समावेशी और बदलती परिस्थितियों के प्रति उत्तरदायी हों। उन्होंने कहा कि आर्थिक लचीलेपन को सामाजिक लचीलेपन से अलग नहीं किया जा सकता और सच्चा लचीलापन तभी संभव है, जब कोई नागरिक, उद्यम या क्षेत्र विकास की दौड़ में पीछे न छूटे।

इस वैश्विक परिदृश्य में लचीली और समावेशी आर्थिक नीतियां होनी चाहिए



समावेशन को बताया अहम

'फ्लक्स के युग में लचीलापन' विषय पर आयोजित सम्मेलन में नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों और व्यापार जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा दौर में आर्थिक नीतियों को जमीनी वास्तविकताओं से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के दौर में समावेशन लचीलेपन की नींव है।

नीति निर्माण में जमीनी वास्तविकताओं की समझ होनी चाहिए

इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ की विरासत का उल्लेख करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि 1952 में स्थापना के बाद से संस्थान विकास यात्रा से करीब से जुड़ा रहा है। ठोस नीति निर्माण जमीनी वास्तविकताओं की समझ पर आधारित होना चाहिए।

नई दिल्ली में 11वें संत ईश्वर सम्मान-2026 में शिरकत की

इसे निःस्वार्थ सेवा की भावना की स्वीकृति बताया

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में मुख्य अतिथि के रूप में 11वें संत ईश्वर सम्मान में भाग लिया और समाज की अनुकरणीय एवं निःस्वार्थ सेवा के लिए सम्मानित व्यक्तियों तथा संगठनों को संत ईश्वर सेवा सम्मान प्रदान किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संत ईश्वर सम्मान निःस्वार्थ सेवा की भावना की स्वीकृति है।

पेट्रोल पंप पर मची अफरा-तफरी

सीएनजी भरवाते समय कार में धमाका, गाड़ी के उड़े परखच्चे

एजेंसी ⏭ वडोदरा

गुजरात में वडोदरा जिले के करजन में एक पेट्रोल पंप पर उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब वहां एक कार में सीएनजी भरते वक्त उसके पिछले हिस्से में अचानक धमाका हो गया। कार का टैंक फटने की वजह से यह धमाका हुआ, जिससे पंप पर मौजूद लोगों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। अच्छी बात यह रही कि उस वक्त कार के अंदर कोई नहीं था और न ही कार के करीब कोई खड़ा हुआ था, जिससे हादसे में किसी इंसान को कोई चोट नहीं लगी। घटना का वीडियो सामने आया है। जिस कार में धमाका हुआ उसे और उसके आसपास खड़ी कुछ गाड़ियों को जरूर अच्छा खासा नुकसान पहुंचा है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि यह धमाका इतना जबरदस्त था कि कार की बॉडी कागज की तरफ फट गई और कार के पिछले हिस्से के पुर्जे और टूटे हुए शीशे कई मीटर तक दूर जा गिरे।





निवेश मंत्रा
समझदारी

बाजार पूंजीकरण के आधार पर शेयरों की तीन प्रमुख श्रेणियां, फायदे-नुकसान जान लें, समझें कौन-सा विकल्प उपयुक्त

लार्ज, मिड या स्मॉलकैप : किसमें कितना निवेश करें

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।

शेयर बाजार में निवेश शुरू करने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल अच्छे शेयर चुनना नहीं होती। यह समझना भी जरूरी है कि कंपनी किस श्रेणी में आती हैं और उसके शेयर में जोखिम कितना है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर कंपनियों को मुख्य रूप से लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप श्रेणियों में देखा जाता है। इन तीनों श्रेणियों में कंपनियों का आकार, कारोबार की परिपक्वता, विकास की संभावना और शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेशक को केवल संभावित रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।



लार्जकैप: अपेक्षाकृत स्थिर कंपनियां

लार्जकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सबसे बड़ी कंपनियां होती हैं। भारतीय म्यूचुअल फंड वर्गीकरण में बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 100 कंपनियां लार्जकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों का कारोबार आमतौर पर स्थापित होता है और इनके पास मजबूत ब्रांड, बड़ा ग्राहक आधार तथा लंबे समय का कारोबारी अनुभव हो सकता है।

फायदा क्या?

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।

जोखिम क्या?

स्थापित और बड़ी कंपनी के लिए बहुत तेज गति से कारोबार बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। इसलिए कुछ परिस्थितियों में इनका विकास छोटे आकार की कंपनियों की तुलना में धीमा रह सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि लार्जकैप में जोखिम नहीं है। आर्थिक संकट या बाजार में बड़ी गिरावट के दौरान इनके शेयर भी काफी नीचे जा सकते हैं।

किसके लिए?

लंबी अवधि के निवेशक, पहली बार शेयर बाजार में कदम रखने वाले और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव पसंद करने वाले निवेशक अपने इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्जकैप को आधार के तौर पर देख सकते हैं। हालांकि व्यक्तिगत शेयर चुनते समय कंपनी का मूल्यांकन और वित्तीय स्थिति देखना जरूरी है।

मिडकैप : विकास और जोखिम के बीच संतुलन

मिडकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 101वीं से 250वीं रैंक के बीच आती हैं। ये कंपनियां आमतौर पर अपने कारोबार को स्थापित कर चुकी होती हैं, लेकिन बड़ी कंपनियों की तुलना में इनके विस्तार की गुंजाइश अधिक हो सकती है। इनमें कई ऐसी कंपनियां होती हैं, जो आने वाले वर्षों में कारोबार और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर बड़ी कंपनियों की श्रेणी में पहुंच सकती हैं।

फायदा क्या?

मिडकैप कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। सफल कंपनियों में मुनाफा और बाजार मूल्य तेजी से बढ़ने की क्षमता होती है। यही वजह है कि लंबी अवधि में कुछ मिडकैप शेयरों ने लार्जकैप की तुलना में अधिक रिटर्न दिया है।

जोखिम क्या?

ज्यादा विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव भी आता है। आर्थिक मंदी, प्रतिस्पर्धा बढ़ने, कर्ज का दबाव या कारोबार के विस्तार में असफलता का असर मिडकैप कंपनियों पर पड़ सकता है। बाजार में गिरावट के दौरान मिडकैप शेयरों में लार्जकैप की तुलना में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है। इसलिए इनमें निवेश करते समय धैर्य जरूरी है।

किसके लिए?

ऐसे निवेशक जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो बाजार में अस्थायी गिरावट को सहन कर सकते हैं, वे मिडकैप पर विचार कर सकते हैं। आम तौर पर 7-10 साल या उससे अधिक की अवधि वाले लक्ष्यों के लिए इस श्रेणी को देखा जाता है।

स्मॉलकैप: ज्यादा विकास क्षमता, ज्यादा जोखिम

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 250वीं कंपनी के बाद आने वाली कंपनियां स्मॉलकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें कई कंपनियां अपेक्षाकृत छोटे कारोबार से शुरुआत कर रही होती हैं और कुछ विशेष क्षेत्रों या नए कारोबारी अवसरों पर काम कर सकती हैं। इनमें से कुछ कंपनियां भविष्य में तेजी से विस्तार करके मिडकैप या लार्जकैप बन सकती हैं। लेकिन हर छोटी कंपनी ऐसा कर पाए, यह जरूरी नहीं है।

फायदा क्या?

छोटे आधार से कारोबार बढ़ाने वाली सफल कंपनियों में आय और मुनाफे की वृद्धि तेज हो सकती है। यदि कंपनी लंबे समय तक मजबूत प्रदर्शन करती है तो उसके शेयर में भी बड़ी वृद्धि देखने को मिल सकती है।

जोखिम क्या?

स्मॉलकैप शेयर तीनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले हो सकते हैं। छोटे कारोबार को आर्थिक मंदी, पूंजी की कमी, प्रतिस्पर्धा और प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं का ज्यादा असर पड़ सकता है। बाजार में तेजी के दौरान ऐसे शेयर तेजी से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी तेज हो सकता है। हर स्मॉलकैप कंपनी भविष्य की बड़ी कंपनी बनेगी, यह मानना जोखिमपूर्ण है।



किसके लिए?

स्मॉलकैप आम तौर पर ऐसे निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त माने जाते हैं, जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए भी पूरी रकम स्मॉलकैप में लगाने के बजाय कुल पोर्टफोलियो में इसकी भूमिका और जोखिम को समझना महत्वपूर्ण है।

तीनों में अंतर एक नजर में

- श्रेणी कंपनियों का आकार विकास की संभावना उतार-चढ़ाव निवेश अवधि
- लार्जकैप सबसे बड़ी कंपनियां अपेक्षाकृत स्थिर अपेक्षाकृत कम लंबी अवधि
- मिडकैप मध्यम आकार की कंपनियां अपेक्षाकृत अधिक मध्यम से अधिक 7-10 साल या अधिक
- स्मॉलकैप छोटी कंपनियां अधिक हो सकती है सबसे अधिक बहुत लंबी अवधि

क्या तीनों में निवेश किया जा सकता है?

हां। निवेशक अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार तीनों श्रेणियों में अलग-अलग स्तर पर निवेश कर सकता है। कई म्यूचुअल फंड योजनाएं भी अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करती हैं। फ्लेक्सीकैप जैसे फंडों में फंड मैनेजर को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के बीच निवेश का फैसला करने की अधिक स्वतंत्रता होती है। इससे निवेशक को एक ही फंड के माध्यम से अलग-अलग श्रेणियों का एक्सपोजर मिल सकता है।

तेजी के बाजार में स्मॉलकैप बेहतर हैं?

सिर्फ बाजार में तेजी देखकर स्मॉलकैप को बेहतर मानना सही नहीं है। तेज बाजार में निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ने पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अधिक दिखाई दे सकती है, लेकिन बाजार की दिशा बदलने पर इन्हीं शेयरों में गिरावट भी तेज हो सकती है। इसलिए किसी श्रेणी का चुनाव केवल मौजूदा बाजार माहौल देखकर करने के बजाय निवेश के लक्ष्य और समयावधि के आधार पर करना चाहिए।

निवेशक के लिए जरूरी बात

लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप में अंतर समझना जरूरी है, लेकिन केवल कंपनी का आकार देखकर शेयर खरीदना पर्याप्त नहीं है। कंपनी की आय, मुनाफा, कर्ज, नकदी प्रवाह, कारोबार की गुणवत्ता, प्रबंधन और शेयर का मूल्यांकन भी देखना चाहिए।

मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण

लार्जकैप में अपेक्षाकृत स्थिर और स्थापित कारोबार मिल सकते हैं, मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण हो सकता है, जबकि स्मॉलकैप में अधिक विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। इसलिए निवेश का सही सवाल यह नहीं है कि लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप में से कौन सबसे अच्छा है। सही सवाल यह है कि आपके वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से इन तीनों में कितना जोखिम लेना उचित है।



वरना बढ़ती सैलरी भी नहीं बढ़ा पाएगी आमदनी

नौकरी शुरू करने के बाद शुरुआती पांच साल किसी भी व्यक्ति की वित्तीय जिंदगी के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान आमदनी धीरे-धीरे बढ़ती है, आर्थिक स्वतंत्रता आती है और अपने फैसले खुद लेने का मौका मिलता है। लेकिन इसी दौर में कई ऐसी आदतें भी बन जाती हैं, जिनका असर लंबे समय तक दिखाई देता है। पहली सैलरी से लेकर पांचवें साल तक अगर खर्च लगातार बढ़ता जाए, निवेश को टाला जाता रहे और क्रेडिट कार्ड या कर्ज पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता हो, तो बढ़ती आमदनी के बावजूद संपत्ति तेजी से नहीं बढ़ती। दूसरी तरफ, इसी समय नियमित बचत, निवेश, आपातकालीन निधि और कौशल विकास की आदत बना ली जाए तो आगे की वित्तीय यात्रा मजबूत हो सकती है।

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

सैलरी बढ़ते ही खर्च बढ़ाना

करियर के शुरुआती वर्षों में वेतन बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन हर बढ़ोतरी को खर्च करने का मौका मान लेना नुकसानदेह हो सकता है। महंगा किराया, नया मोबाइल, कार, लगातार बाहर खाना, छुट्टियां और ऑनलाइन खरीदारी जैसे खर्च धीरे-धीरे बजट का बड़ा हिस्सा बन सकते हैं। अगर सैलरी 10 प्रतिशत बढ़ी और खर्च भी करीब उतना ही बढ़ गया, तो आमदनी बढ़ने के बावजूद बचत और निवेश में खास सुधार नहीं होगा। इसलिए वेतन बढ़ने पर खर्च बढ़ाने से पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ाने पर ध्यान देना बेहतर है।

निवेश को बाद के लिए न टालें

युवा नौकरीपेशा लोगों को अक्सर लगता है कि रिटायरमेंट अभी बहुत दूर है। इसलिए वे निवेश शुरू करने के बजाय सोचते हैं कि कुछ साल बाद ज्यादा कमाई होने पर शुरुआत करेंगे। लेकिन निवेश में समय बहुत महत्वपूर्ण है। शुरुआती उम्र में छोटी रकम भी लंबे समय तक निवेशित रहने पर चक्रवृद्धि की वजह से बड़ी हो सकती है। दूसरी तरफ, पांच-दस साल की देरी की भरपाई के लिए बाद में ज्यादा रकम निवेश करनी पड़ सकती है।

कमाई के पहले पांच साल में इन बातों को रखें ध्यान

न करें ये कुछ बड़ी गलतियां

आपातकालीन निधि न बनाना

कई युवा निवेश पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन अचानक आने वाले खर्च के लिए अलग रकम नहीं रखते। नौकरी जाने, परिवार में आपात स्थिति, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य अनपेक्षित खर्च के समय ऐसी कमी भारी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में निवेश तोड़ना या महंगे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ सकता है। इसलिए सामान्य तौर पर कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि बनाने को प्राथमिकता दी जाती है। इसे ऐसे साधन में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

कंपनी की सुविधाओं को नजरअंदाज करना गलत

कई कर्मचारी अपने नियोक्ता की ओर से मिलने वाली सुविधाओं की पूरी जानकारी नहीं लेते। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा, अतिरिक्त बीमा कवर, सेवानिवृत्ति योजनाएं, स्टॉक विकल्प या शिक्षा से जुड़ी सुविधाएं कुल वित्तीय लाभ का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं। नौकरी बदलते समय भी यह देखना जरूरी है कि पुरानी कंपनी की कौन-सी सुविधा जारी रखनी है और नई कंपनी में कौन-सा अतिरिक्त लाभ उपलब्ध है।

क्रेडिट कार्ड और आसान कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड, उपभोक्ता ऋण और 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' जैसी सुविधाओं ने खरीदारी आसान कर दी है। लेकिन सुविधा और जरूरत के बीच अंतर समझना जरूरी है। ऐसी चीजों के लिए कर्ज लेना जिनकी कीमत समय के साथ घटती है, भविष्य की बचत को प्रभावित कर सकता है। खासकर क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर पूरा नहीं करने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए कर्ज लेने से पहले यह देखना चाहिए कि वह संपत्ति बनाने में मदद कर रहा है या केवल मौजूदा खर्च को आगे खिसका रहा है।

सोशल मीडिया देखकर निवेश करना

किसी शेयर, क्रिप्टोकरेंसी या किसी नए निवेश विकल्प के तेजी से बढ़ने की खबर देखकर तुरंत पैसा लगा देना जोखिमपूर्ण हो सकता है। सोशल मीडिया पर दिख रहा पिछला रिटर्न भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। निवेश का आधार किसी ट्रेंड या इंटरनेट पर चल रही चर्चा के बजाय लक्ष्य, समयावधि, जोखिम क्षमता और निवेश की समझ होनी चाहिए। विविधीकरण और नियमित निवेश की रणनीति भी इसी वजह से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बड़े खर्चों की योजना न बनाना

शादी, घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा और रिटायरमेंट जैसे लक्ष्य शुरुआती करियर में दूर लग सकते हैं। लेकिन महंगाई के कारण भविष्य में इनकी लागत आज की तुलना में काफी अधिक हो सकती है। अगर इन लक्ष्यों के लिए पहले से निवेश शुरू नहीं किया गया तो बाद में अचानक बड़ी रकम जुटाने का दबाव बन सकता है। इसलिए अलग-अलग लक्ष्यों के लिए अलग समयसीमा और निवेश योजना बनाना उपयोगी रहता है।

बीमा को नजरअंदाज करना

कई युवा मानते हैं कि कम उम्र में बीमा की जरूरत नहीं है। कंपनी की ओर से मिलने वाला स्वास्थ्य बीमा भी उन्हें पर्याप्त लगता है। लेकिन नियोक्ता का बीमा नौकरी बदलने या नौकरी खत्म होने पर जारी रहे, यह जरूरी नहीं है। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ने के साथ पर्याप्त स्वास्थ्य और जीवन बीमा की जरूरत भी बदल सकती है।

अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान न देना

शुरुआती करियर में केवल खर्च कम करना और निवेश बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है। व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति उसकी कमाने की क्षमता होती है। नई तकनीक सीखना, प्रमाणपत्र हासिल करना, उच्च शिक्षा, विशेषज्ञता विकसित करना और पेशेवर नेटवर्क मजबूत करना भविष्य की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अगर किसी कौशल को सीखने पर आय में बड़ा सुधार संभव है, तो शुरुआती वर्षों में उस पर किया गया खर्च लंबे समय में किसी सामान्य निवेश से भी अधिक प्रभाव डाल सकता है।

छोटी आदतें बना सकती हैं बड़ा अंतर

कमाई के शुरुआती पांच साल में वित्तीय अनुशासन का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति अपनी हर इच्छा छोड़ दे। असली लक्ष्य यह है कि बढ़ती आय का पूरा हिस्सा बढ़ती जीवनशैली पर खर्च न हो। सैलरी बढ़ने पर निवेश बढ़ाना, आपातकालीन निधि बनाना, महंगे कर्ज से बचना, बीमा की समीक्षा करना और अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाना। ये आदतें धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार कर सकती हैं।

रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

बिजनेस डेस्क। रिटायरमेंट के बाद एनपीएस का पैसा एक साथ निकाल लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी पीएफआरडीए के नियमों में ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनके तहत पात्र एनपीएस सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना पैसा एनपीएस में बनाए रख सकते हैं और निकासी को आगे के वर्षों में टाल सकते हैं। सामान्य तौर पर यह सुविधा 75 वर्ष की उम्र तक उपलब्ध है। इसका मतलब यह नहीं है कि एनपीएस में 60 साल के बाद कोई तय ब्याज दर मिलती है। एनपीएस बाजार से जुड़ा निवेश है और इसमें मिलने वाला रिटर्न गारंटीड नहीं होता। खाते में बची रकम संबंधित निवेश विकल्पों के प्रदर्शन के अनुसार बढ़ या घट सकती है। पीएफआरडीए के अनुसार पात्र सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सुपरएनुएशन के बाद भी एनपीएस में बने रह सकते हैं। वह 75 वर्ष तक खाते को जारी रख सकते हैं या बीच में किसी भी समय बाहर निकल सकते हैं। एकमुश्त निकासी को टालने का विकल्प है। सब्सक्राइबर एकमुश्त राशि को बाद में निकाल सकता है या इसे चरणबद्ध तरीके से निकाल सकता है। पीएफआरडीए ने सिस्टेमैटिक लंपसम विड्रॉल यानी एसएलडब्ल्यू की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

एसएलडब्ल्यू से धीरे-धीरे निकाल सकते हैं पैसा

मान लीजिए रिटायरमेंट के समय किसी को एनपीएस से मिलने वाली एकमुश्त राशि बड़ी है और उसे पूरी रकम की तत्काल जरूरत नहीं है। ऐसे में पूरी रकम एक साथ बैंक खाते में लेने के बजाय वह चरणबद्ध निकासी का विकल्प चुन सकता है। एसएलडब्ल्यू के तहत निर्धारित अवधि में राशि निकालने की सुविधा मिलती है। पीएफआरडीए ने इस सुविधा को इसी उद्देश्य से शुरू किया है कि सब्सक्राइबर को एकमुश्त रकम निकालने के बजाय उसे व्यवस्थित तरीके से इस्तेमाल करने का विकल्प मिले।

जुलाई 2026 में बदले एनपीएस के नियम

जुलाई 2026 में पीएफआरडीए ने निकासी नियमों में बदलाव किया है। इसलिए पुराने 60% एकमुश्त और 40% वार्षिकी वाले नियम को हर एनपीएस श्रेणी पर लागू मानना सही नहीं है। ऑल-सिटिजन मॉडल में सामान्य निकासी के लिए पात्रता और कॉर्पस के आकार के आधार पर अब अधिकतम 80% राशि एकमुश्त निकालने तथा कम से कम 20% राशि से वार्षिकी लेने का विकल्प उपलब्ध है। कुछ छोटे कॉर्पस के लिए पूरी रकम निकालने अथवा एसएलडब्ल्यू जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। वहीं सरकारी क्षेत्र के मौजूदा नियमों में सामान्य निकासी पर अधिकतम 60% एकमुश्त और कम से कम 40% वार्षिकी का प्रावधान बना हुआ है। इसलिए एनपीएस में पैसा लगाने वाले व्यक्ति को अपने मॉडल और लागू नियम के अनुसार ही गणना करनी चाहिए।

एनपीएस में बचा पैसा कैसे बढ़ेगा?

एनपीएस में जमा रकम बाजार से जुड़े विभिन्न विकल्पों में निवेशित होती है। इसलिए रिटायरमेंट के बाद खाते में बची रकम पर कोई निश्चित 10% या 12% ब्याज मिलने की गारंटी नहीं है। निवेश का प्रदर्शन इक्विटी, कॉरपोरेट बॉन्ड और सरकारी प्रतिभूतियों जैसे विकल्पों में किए गए आवंटन तथा बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि 60 से 75 वर्ष के बीच एनपीएस निश्चित रूप से बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न देगा। यही कारण है कि रिटायरमेंट के बाद एनपीएस में पैसा बनाए रखने का फैसला केवल पिछले रिटर्न देखकर नहीं करना चाहिए। नियमित आय की जरूरत, महंगाई, कर प्रभाव और परिवार की वित्तीय जरूरतों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

पूरा पैसा एफडी में डालना भी हमेशा जरूरी नहीं

रिटायरमेंट के समय बड़ी रकम हाथ में आने पर उसे पूरी तरह बचत खाते या एफडी में रखना आसान विकल्प लग सकता है। लेकिन एफडी और एनपीएस की प्रकृति अलग है। एफडी में ब्याज दर पहले से तय होती है, जबकि एनपीएस बाजार से जुड़ा होता है। एफडी में पूंजी की स्थिरता अपेक्षाकृत अधिक होती है, जबकि एनपीएस में बाजार उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। दोनों की तुलना केवल ब्याज दर के आधार पर करना उचित नहीं है। रिटायरमेंट के बाद पैसे का कुछ हिस्सा नियमित खर्च के लिए सुरक्षित साधनों में और शेष रकम दीर्घकालिक जरूरत के अनुसार अलग-अलग विकल्पों में रखना कुछ निवेशकों के लिए उपयोगी रणनीति हो सकती है।

शेयर गिरने पर खरीदारी बढ़ाएं या फिर एसआईपी जारी रखें?

1. शेयर में गिरावट हमेशा खरीदारी का मौका नहीं होता
2. एसआईपी बाजार के उतार-चढ़ाव को कर सकती है संतुलित

शेयर बाजार में गिरावट आते ही निवेशकों को अक्सर सलाह दी जाती है कि भाव कम हो गए हैं, इसलिए और खरीदारी करके औसत लागत घटा लें। मसलन, अगर कोई शेयर 1,000 रुपये पर अच्छा लग रहा था तो 800 रुपये पर वह और सस्ता नजर आ सकता है। लेकिन निवेश का यह गणित हर शेयर पर लागू नहीं होता। सवाल यह है कि गिरावट सिर्फ शेयर के भाव में आई है या कंपनी के कारोबार में भी कमजोरी आई है? यही अंतर शेयरों में औसत लागत घटाने और म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश के बीच सबसे महत्वपूर्ण है। गलत शेयर में लगातार पैसा लगाते जाना नुकसान को कम करने के बजाय बढ़ा भी सकता है।

क्या है औसत लागत का तरीका?

किसी शेयर या म्यूचुअल फंड में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कीमतों पर निवेश करने को औसत लागत का तरीका कहा जा सकता है। इसका उद्देश्य एक ही कीमत पर पूरी रकम लगाने के बजाय कई स्तरों पर खरीदारी करना है। उदाहरण के लिए, किसी शेयर को 1,000 रुपये पर खरीदा और बाद में 800 रुपये पर फिर खरीदा तो दोनों खरीद की औसत लागत 900 रुपये होगी। शेयर की कीमत दोबारा बढ़ने पर निवेशक को शुरुआती खरीद की तुलना में जल्दी लाभ की स्थिति मिल सकती है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात है। औसत लागत कम होना और निवेश का जोखिम कम होना एक ही बात नहीं है।

भाव बढ़ने पर खरीदना भी है औसत बढ़ाना

औसत लागत की चर्चा में आमतौर पर गिरते शेयर में खरीदारी की बात होती है, लेकिन भाव बढ़ने पर भी निवेश बढ़ाया जा सकता है। इसे औसत बढ़ाना कहा जा सकता है। यदि किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे और भविष्य की संभावनाओं में सुधार हो रहा है और शेयर का भाव उसी वजह से बढ़ रहा है, तो कुछ निवेशक बढ़ी हुई कीमत पर भी धीरे-धीरे खरीदारी जारी रखते हैं। यहां फैसला सिर्फ भाव देखकर नहीं, बल्कि कंपनी के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखकर करना जरूरी है।

म्यूचुअल फंड में एसआईपी क्यों अलग है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी औसत लागत के सिद्धांत को काफी व्यवस्थित तरीके से लागू करती है। निवेशक हर महीने एक तय रकम लगाता है। बाजार नीचे होने पर उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और बाजार ऊपर होने पर कम यूनिट मिलती हैं। इससे निवेशक को हर बार बाजार का सही स्तर पहचानने की जरूरत नहीं पड़ती। लंबे समय में अलग-अलग भाव पर खरीदी गई यूनिट का औसत मूल्य बनता रहता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और बाजार में गिरावट आती है तो उस महीने उसे अधिक यूनिट मिलेंगी। बाजार चढ़ने पर कम यूनिट मिलेंगी। बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच निवेश लगातार चलता रहता है।

म्यूचुअल फंड में बंट जाता है जोखिम

म्यूचुअल फंड और व्यक्तिगत शेयर में सबसे बड़ा अंतर विविधीकरण का है। सामान्य तौर पर म्यूचुअल फंड का पैसा कई कंपनियों और क्षेत्रों में लगाया जाता है। किसी एक कंपनी का प्रदर्शन खराब होने पर उसका असर पूरे निवेश पर उसी अनुपात में नहीं पड़ता। फंड का पोर्टफोलियो फंड मैनेजर की निगरानी में रहता है। फंड की रणनीति के अनुसार कमजोर कंपनियों में निवेश घटाया या समाप्त किया जा सकता है और दूसरी कंपनियों को शामिल किया जा सकता है।

शेयर में गिरावट आए तो सावधान

व्यक्तिगत शेयर में औसत लागत घटाना कहीं ज्यादा सावधानी मांगता है। किसी शेयर का भाव गिरने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। बाजार की सामान्य गिरावट या किसी क्षेत्र में अस्थायी कमजोरी एक वजह हो सकती है। कंपनी के मुनाफे में लगातार गिरावट, कर्ज बढ़ना, बाजार हिस्सेदारी कम होना, नकदी प्रवाह कमजोर होना या प्रबंधन से जुड़े गंभीर सवाल दूसरी वजह हो सकते हैं। पहली स्थिति में गिरावट अस्थायी हो सकती है। दूसरी स्थिति में कम भाव कंपनी के कमजोर होते कारोबार का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में सिर्फ यह सोचकर खरीदारी करते जाना कि शेयर पहले 1,000 का था और अब 500 रुपये का हो गया है, खतरनाक हो सकता है। शेयर का भाव 50 फीसदी गिरने का मतलब यह नहीं कि वह 50 फीसदी सस्ता ही हो गया है।

औसत घटाने से पहले ये सवाल पूछें

■ कंपनी की बिक्री और मुनाफा किस दिशा में जा रहा है? ■ कंपनी पर कर्ज बढ़ तो नहीं रहा? ■ नकदी प्रवाह मजबूत है या कमजोर? ■ कंपनी का बाजार हिस्सा बढ़ रहा है या घट रहा है? ■ प्रबंधन और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े कोई गंभीर सवाल तो नहीं? ■ शेयर में गिरावट पूरे बाजार की वजह से है या कंपनी की अपनी समस्या है? ■ मौजूदा कीमत पर कंपनी का मूल्यांकन उचित है या नहीं? ■ इन सवालों के जवाब सकारात्मक हैं तो गिरावट पर चरणबद्ध खरीदारी पर विचार किया जा सकता है। लेकिन अगर कंपनी के मूल कारोबार में लगातार कमजोरी है तो केवल औसत लागत घटाने के लिए पैसा लगाना जोखिम बढ़ा सकता है।

एक ही शेयर या फंड में लगातार पैसा न लगाएं

औसत लागत घटाने की कोशिश में एक और गलती हो सकती है। किसी एक शेयर या फंड में जरूरत से ज्यादा पैसा लग जाना। किसी निवेश में लगातार रकम बढ़ाते रहने से पोर्टफोलियो में उसका हिस्सा बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए निवेशक को समय-समय पर अपने पूरे पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि किसी एक कंपनी, क्षेत्र या फंड में जरूरत से ज्यादा एकाग्रता तो नहीं हो रही। गिरावट देखकर नहीं, कारण समझकर फैसला करना चाहिए।

एशियाई खेल : फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराया

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| निशिन

अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतकों की मदद से भारत ने हसन नवाज की आक्रामक पारी के बावजूद रोमांचक फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर शनिवार को एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट में अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया।

अभिषेक ने 28 गेंद पर 61 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल हैं। तिलक वर्मा ने आखिरी ओवरों में 22 गेंद पर नाबाद 51 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्हें शिवम दुबे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 15 गेंद पर 27 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी भारतीय टीम ने छह विकेट पर 211 रन का बड़ा स्कोर बनाया। पाकिस्तान की तरफ से अहमद दानियाल और अराफात मिन्हास ने दो-दो विकेट लिए।



हसन नवाज ने खेली 51 गेंदों पर 96 रन की पारी

पाकिस्तान खराब शुरुआत के बावजूद हसन नवाज की 51 गेंदों पर 96 रन की पारी से मुकाबले में बना रहा लेकिन आखिर में वह 6 विकेट पर 192 रन तक ही पहुंच पाया। नवाज जब चार रन पर थे तब वैभव सूर्यवंशी ने उनका कैच छोड़ दिया था। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और सात छक्के लगाए। भारत की तरफ से अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए।

अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं : अय्यर

पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार कप्तान कर रहे श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों के फाइनल में अपने साथियों से सिर्फ इतना कहा था कि मुकाबले को लेकर बने माहौल और दबाव को खुद पर हावी नहीं होने दें और बड़े मंच पर अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं। भारतीय खिलाड़ियों ने भी कप्तान की बात पर अमल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद अय्यर ने कहा कि टीम ने पाकिस्तान या श्रीलंका के बजाय सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने वाली टीम को देखा और अपना पूरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रखा। उन्होंने कहा, 'हमारे दिमाग में सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी था, पाकिस्तान या श्रीलंका नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर हम अपनी क्षमता के मुताबिक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो बाकी चीजें अपने आप सही हो जाती हैं। आज इसका सही उदाहरण देखने को मिला और हम उस पर खरे उतरे।'



नहीं किया हैंडशेक

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों के क्रिकेट फाइनल को लेकर काफी उत्सुकता थी लेकिन शनिवार को मुकाबला बिना किसी विवाद के संपन्न हुआ। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक बार फिर हाथ नहीं मिलाए। फाइनल देखने के लिए तोक्यो, नागोया और जापान के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में पहुंचे भारतीय समुदाय के लोगों के लिए यह दिन क्रिकेट के नाम रहा। मैच के बाद का घटनाक्रम भी कुछ ऐसा ही रहा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी जब अपने ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के पास जाने की कोशिश नहीं की। पाकिस्तान की टीम अपने ड्रेसिंग रूम से बाहर आई, अंपायरों से हाथ मिलाया और भारतीय खिलाड़ियों से बिना किसी बातचीत के वापस लौट गई। हाथ मिलाने को छोड़ दे तो मैच खेल भावना के साथ खेला गया। खिलाड़ियों के बीच कोई तीखी बहस या बड़ा विवाद नहीं हुआ और उन्होंने अपना ध्यान मुकाबले पर बनाए रखा तथा क्रिकेट को केंद्र में रहने दिया। पदक समारोह भी बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ और आयोजकों ने पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखा।

होप के नाबाद 162 रन से वेस्टइंडीज ने तीसरे वनडे में भारत को हराया

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

कप्तान शाइ होप के नाबाद 162 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने शनिवार को तीसरे और आखिरी वनडे में भारत को पांच विकेट से हराया। भारत ने तिरूवनंतपुरम और गुवाहाटी में पहले दो मैच जीतने के बाद शृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। होप ने 21वां वनडे शतक लगाया और 143 गेंद की उनकी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने जीत के लिये 352 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया जो वनडे क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले लोकेश राहुल ने नाबाद 129 रन की आक्रामक पारी खेली, रोहित शर्मा (92) तथा ऋतुराज गायकवाड़ (57) की अर्धशतकीय पारियों के बूते भारत ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए सात विकेट पर 351 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में जॉन कैंपबेल का विकेट गंवाकर 78 रन बनाये । होप को गुरूनूर बरार ने शुरूआत में जीवनदान दिया जो भारत के लिये भारी पड़ा। आमिर जांगू ने उनके साथ अच्छी साझेदारी करके 56 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन बनाये। शेरफान रदरफोर्ड और होप ने वेस्टइंडीज को 29वें ओवर में 200 रन के पार पहुंचाया। स्पिनर नमन धीर ने रदरफोर्ड को विकेट के पीछे लपकवाकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कीमो पॉल ने होप के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। पॉल को बरार ने 41वें ओवर में आउट किया। कुलदीप यादव ने मैथ्यू फोर्डे को पवेलियन भेजा। कुलदीप के आखिरी ओवर में होप ने पहली गेंद पर छक्का और फिर चौका जड़ा। इसके बाद उन्होंने 47वें ओवर में बरार को तीन चौके लगाये। होप ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया और अगली गेंद पर एक रन लेकर वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।



रोहित ने किया तेंदुलकर का रिकॉर्ड ध्वस्त



रोहित शर्मा ने अब वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सचिन का ये कीर्तिमान करीब 22 साल पुराना है। रोहित अब बतौर ओपनर वनडे में दस हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज भी बन गए हैं। बतौर ओपनर सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। उन्होंने साल 2004 में ब्रिस्बेन ने ऑस्ट्रेलिया दस हजार रन का आंकड़ा छुआ था। अब रोहित शर्मा ने उनसे 12 पारियां कम खेलकर ही 10,000 रन बना दिए हैं। रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए केवल 202 पारियां खेली हैं। रोहित के अलावा 10 हजार रन बनाने वाले बाकी बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर के अलावा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या हैं।

एशियन गेम्स

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं प्रणवी उर्स

एजेंसी ▶▶| नागोया



प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गई, जिन्होंने आखिरी दौर में थकान से उबरते हुए एक स्ट्रोक की बढत बरकरार रखकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की और टीम को भी रजत दिलाया। मैसूर की 23 वर्ष की प्रणवी ने तीसरे होल में ट्रिपल बोगी करने के बाद तीन बर्डी लगाए। आखिरी दौर में उन्होंने इवन पार 70 स्कोर किया और चार दिन में कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। चीन की यिन रूओनिंग ने रजत पदक जीता जबकि सिंगापुर की शैनोन टैन को कांस्य पदक मिला।

शुरुआत में काफी नर्वस थी : प्रणवी

प्रणवी ने जीत के बाद कहा,' मुझे कुछ उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनना पसंद है। लोग आगे भी जीतेंगे लेकिन पहली बार जीतने वाला पहला ही होता है।' प्रणवी ने कहा कि वह पूरी रात सो नहीं सकी थी और आखिरी दिन शुरुआत में काफी नर्वस थी।

गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

यह 1982 दिल्ली एशियाई खेलों के बाद गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उस समय गोल्फ में लक्ष्मण सिंह ने व्यक्तिगत पुरुष स्वर्ण जीता था जबकि अमित लूथरा और राजीव मोहता के साथ टीम वर्ग में भी पीला तमगा हासिल किया था।

टीम ने जीता रजत

प्रणवी, ओलंपियन अदिति अशोक (आखिरी दौर में 67) और दीक्षा डागर (आखिरी दौर में 77) की टीम ने रजत पदक जीता। भारत ने 14 अंडर 546 स्कोर किया। चीन ने 22 अंडर 538 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अदिति एक डबल बोगी और एक बोगी के बाद लगातार पांच बर्डी लगाकर संयुक्त 14वें स्थान पर रही जबकि दीक्षा संयुक्त 23वें स्थान पर रही।

कुश्ती में भारत की झोली में 6 पदक



अमन को स्वर्ण, अंतिम की चांदी

एजेंसी ▶▶| नागोया

अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में अपने कांस्य पदक को स्वर्ण में बदल दिया जबकि महाद्वीपीय खिताब जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनने की अंतिम पंघाल की कोशिश को जापान की मेई मियोका के हाथों हार के साथ निराशा का सामना करना पड़ा।

मियोका ने शनिवार को यहां अंतिम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी, जिससे भारतीय पहलवान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने कुश्ती प्रतियोगिता में छह पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य) के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यह 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में शीर्ष स्थान से चूकने के बाद भारत के इस प्रतियोगिता में सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा।

अमन ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में उत्तर कोरिया के चोंग सोंग हान को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह कुश्ती में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक था।

तीरदांजी : नीरज ने रिकर्व स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

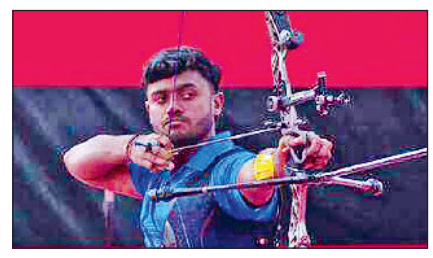

नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपने हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। नीरज ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मैच में धीरज को 29-26, 27-28, 28-29, 30-28, 29-28 से हराया। इस तरह से वह तरुणदीप राय के बाद एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए।

ओसीए एथलीट समिति में राजेश्वरी शामिल



एजेंसी ▶▶| नागोया

पूर्व भारतीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी को दक्षिण एशिया के प्रतिनिधि के रूप में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति में शामिल किया गया। ओसीए एथलीट समिति में अन्य तीन क्षेत्रीय पदों के लिए एशियाई खेलों के दौरान चुनाव कराए गए। राजेश्वरी के नामांकन को पहले ही ओसीए के कार्यकारी बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी। पश्चिम एशिया (एक महिला खिलाड़ी), मध्य एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी), पूर्वी एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी) और दक्षिण पूर्व एशिया (एक महिला खिलाड़ी) से एक-एक प्रतिनिधि का चयन करने के लिए चुनाव कराए गए। पिछले एशियाई खेलों में 34 वर्षीय राजेश्वरी ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2024 में ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया था।

ईरानी कप

शेष भारत ने बनाई 265 रन की बढ़त, स्मरण ने ठोका शतक



एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

शेष भारत ने रविचंद्रन स्मरण की सयंम से खेली गई 126 रन की नाबाद पारी की बदौलत शनिवार को ईरानी कप मैच के तीसरे दिन स्टंप तक 8 विकेट पर 306 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 265 रन की बढ़त हासिल कर ली।

स्मरण ने 131 गेंद की पारी में 15 चौके और पांच छक्के लगाए जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 55 रन बनाए। इससे शेष भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया। मेजबान टीम की ओर से साहिल लोटरा (71 रन देकर 3 विकेट) और उमर नजीर मीर (87 रन देकर 3 विकेट) गेंदबाजों में सबसे प्रभावी रहे, लेकिन भारत के बल्लेबाज ऋषभ पंत (08) और सरफराज खान (शून्य) की नाकामी के बावजूद शेष भारत के बल्लेबाजों ने अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

पंत का लगातार दूसरी बार प्रदर्शन निराशाजनक

आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे पंत का लगातार दूसरी बार प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्हें लोटरा ने पगबाधा आउट कर दिया। इससे पहले पांचवें नंबर पर उतरे सरफराज खराब फुटवर्क के कारण आउट हो गए।शेष भारत की टीम बीती रात जम्मू-कश्मीर से 17 रन से पीछे थी और उसने एक विकेट ही गंवाया था। फिर शेष भारत के सांगवान और सुदीप कुमार घरामी (33) ने अच्छी शुरुआत करते हुए 50 रन की साझेदारी की। बाएं हाथ के सांगवान को दूसरे छोर पर सारांश जैन का साथ मिला और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर शेष भारत को आगे कर दिया। सांगवान ने आउट होने से पहले 160 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाए।

आइसक्रीम और गणित से किनारा किया था कुमकुम ने

मैदान पर 'अजेय तीरंदाज', बाहर 'चंचल बच्ची', गोल्ड पर साधा निशाना

एजेंसी ▶▶| नागोया

निशाना साधते समय शांत रहने वाली युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोद जब अपना धनुष नीचे रखकर आइसक्रीम या गणित को लेकर अपने प्यार के बारे में बात करती है तो उनके भीतर का बच्चा हावी हो जाता है। महाराष्ट्र की 17 वर्ष की कुमकुम ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व और टीम वर्ग का स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा है। उन्होंने फाइनल में पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अपनी आदर्श कोरिया की कांग चाएयंग को हराया।



कुमकुम ने जीता स्वर्ण

नागोया। सत्रह वर्ष की कुमकुम मोहाद ने दबाव में संयम के साथ खेलते हुए एशियाई खेलों की महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में कोरिया की ओ येजिन को शूटआउट में हराकर स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम एशियाई खेलों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला तीरंदाज बन गई। स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद कुमकुम ने शूटआउट में 10 स्कोर किया जबकि येजिन आठ ही स्कोर कर सकी। इससे पहले चीन की जिंगयी झू को हराकर फाइनल में पहुंचने के साथ कुमकुम ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के दो कोटा स्थानों में से एक हासिल कर लिया।

ज्योतिष
कहते नहीं करके दिखाते है
सभी समस्याओं का समाधान जैसा चाहोगे करके दूगां
कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपटी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा
A to Z समस्या का समाधान
स्पेशलिस्टः मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह
पंडित पी. के. शास्त्री
हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम।
काम ना होने पर पैसे वापस
+91 99974 92579

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।



डीआरआई की महाराष्ट्र में दो बड़ी कार्रवाई: सोने-हीरे और संरक्षित वन्य जीवों के गिरोह का पर्दाफाश

एयरपोर्ट पर 13.5 करोड़ के गोल्ड-डायमंड जब्त, 8 अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई में हाई-टेक दोतरफा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है।

इसमें लगभग 12.64 करोड़ रुपए मूल्य का 8.564 किलो 24-कैरेट विदेशी सोना और लगभग 1.09 करोड़ रुपए मूल्य के 1,168.97 कैरेट हीरे ज़ब्त किए गए। एयरपोर्ट के एक कर्मचारी, छह ट्रांज़िट यात्रियों और भारत से बाहर जाने वाले एक भारतीय यात्री सहित आठ लोगों को गिरफ़्तार किया गया है।


जब्त हीरे और सोना

23 कैप्सूल में मोम के रूप में था सोने का बुरादा

डीआरआई अधिकारियों ने चुपचाप नज़र रखी और उन पांचों यात्रियों को तब पकड़ा जब वे ट्रांज़िट एरिया में एयरपोर्ट स्टाफ़ को सोने के कैप्सूल सौंप रहे थे। तस्करी का सोना सौंपने के बाद ये यात्री आगे सिंगापुर और ढाका जाने वाले थे। कस्टम्स एक्ट, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत सभी आठ लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया है।

प्राकृतिक और लैब में बने हीरे जब्त

इसके अलावा, 1,168.97 कैरेट हीरे भी बरामद और जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.09 करोड़ रुपए थी; इनमें 132.17 कैरेट प्राकृतिक हीरे और 1,036.80 कैरेट लैब में बने हीरे शामिल थे। इस ऑपरेशन ने एक बार फिर एयरपोर्ट के ज़रिए सोने की तस्करी में शामिल एयरपोर्ट स्टाफ़ से जुड़े अंदरूनी ख़तरे को उजागर किया है।

हाथी के दांत, तेंदुए की खाल, बरामद, 11 लोग गिरफ्तार

डीआरआई ने खुफिया जानकारी पर आधारित तीन अभियानों में हाथी के दांत से बनी चार चीजें (जिनमें बारीक नक्काशी वाली चीज़ें भी शामिल हैं), तेंदुए की खाल का एक टुकड़ा, दो जीवित पैंगोलिन, 3 किलो बाघ की हड्डियां और बाघ के दो कैनाइन दांत जब्त किए हैं।

इन तीन अभियानों में ग्यारह लोगों को पकड़ा गया है। हाथी के दांतों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए चलाए गए एक अभियान में, डीआरआई अधिकारियों ने एक 'डिकॉय ऑपरेशन' (नकली ग्राहक बनकर की जाने वाली कार्रवाई) किया।


हाथी के दांत, तेंदुए की खाल

गोंदिया जिले में दो लोगों को पकड़ा

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में पुराडा गांव के पास दो लोगों को रोका। शक था कि वे तेंदुए को मारकर उसकी खाल बेचने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें रोकने पर तेंदुए की एक खाल बरामद हुई। तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस) वाइल्ड लाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की अनुसूची एक में शामिल है, और बरामद खाल को एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।

अल्लापल्ली वन में चलाया बड़ा अभियान

महाराष्ट्र के अल्लापल्ली वन क्षेत्र में चलाए गए एक संयुक्त अभियान में, डीआरआई ने लुप्तप्राय वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल होने के संदेह में छह लोगों को पकड़ा। इस दौरान एक जीवित वयस्क पैंगोलिन, एक जीवित पैंगोलिन का बच्चा, 3 किलो बाघ की हड्डियां और बाघ के दो कैनाइन (नुकीले दांत) बरामद किए गए। लोगों द्वारा इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें जब्त की।

वायुसेनादिवस के पूर्व में हुए वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में हरिभूमि के सवाल के जवाब में बोले वायुसेनाप्रमुख

शहीद विंग कमांडर सिन्हा की पत्नी संग खड़ी वायुसेना, 13 साल बाद फिर से पहनेंगी स्क्वाड्रन लीडर की यूनिफार्म

2021 में जैसलमेर में मिग-21 लड़ाकू विमान हादसे में शहीद हो गए थे विंग कमांडर सिन्हा

स्क्वाड्रन लीडर प्रियंका सक्सेना एक पूर्व वायुसेना अधिकारी हैं, 2013 में स्वेच्छा से छोड़ी नौकरी

कविता जोशी ⏭ नई दिल्ली

24 दिसंबर 2021 का वो दिन जब भारतीय वायुसेना की पूर्व अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर प्रियंका सक्सेना के मानो पैरों तले जमीन खिसक गई थी। कारण, उनके पति और वायुसेना के एक फाइटर पायलट (मिग-21 बाइसन) विंग कमांडर हर्षित सिन्हा की जैसलमेर एयरफील्ड के पास हादसे में हुई दुखद मृत्यु थी।

जिसके बाद से प्रियंका लगातार वायुसेना में फिर से शामिल होने की कानूनी लड़ाई लड़ रही थी। लगभग सप्ताहभर पहले सर्वोच्च न्यायालय ने उनके हक में फैसला सुनाया और अब खुद वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने भी उनकी वायुसेना में पुनः तैनाती पर अपनी मुहर लगा दी है। देश में 8 अक्टूबर को मनाए जाने वाले 94वें वायुसेनादिवस के पूर्व में शनिवार को राजधानी में आयोजित किए गए वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में हरिभूमि ने इस विशेष मामले को लेकर वायुसेनाप्रमुख से एक सवाल पूछा था। जिसके जवाब में उन्होंने शीर्ष अदालत के फैसले को अक्षरशः लागू करने की बात कही है।



अलग खबर

एसएससी रूट से तैनाती, सेवा का होगा 11वां वर्ष

वायुसेनाप्रमुख ने कहा कि सर्वोच्च अदालत का इस मामले पर फैसला आ चुका है। जिसका हम पूरी तरह से पालन करेंगे। इतना ही नहीं हमने इसकी शुरुआत भी कर दी है और प्रियंका सक्सेना को वायुसेना में फिर से शामिल होने के लिए जरूरी प्रशिक्षण का आगाज करने के लिए कहा है। इस प्रक्रिया में उनकी मेडिकल, शारीरिक तंदरुस्ती (फिजिकल फिटनेस) और एक सैनिक के रूप में जरूरी जांच शामिल रहेगी। वायुसेना में उन्हें बतौर स्क्वाड्रन लीडर के रूप में ही शामिल किया जाएगा। उनकी सेवा को 11वें वर्ष से शुरू हुआ माना जाएगा। एयरचीफ मार्शल सिंह के इस वाक्य से यह साफ हो जाता है कि अब प्रियंका के पास भविष्य में वायुसेना में सेवा विस्तार या स्थायी कमीशन पाने का विकल्प भी खुल गया है।

2003 में वायुसेना में कमीशन हुई प्रियंका

यहां बता दें कि प्रियंका सक्सेना वर्ष 2003 में वायुसेना की रसद शाखा में अल्प सेवा कमीशन (एसएससी) अधिकारी के रूप में शामिल हुई थी। जिसके बाद उन्होंने 10 साल का कार्यकाल पूरा किया और 2013 में कार्यकाल विस्तार या स्थायी कमीशन के लिए आवेदन किए बिना अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए सेवानिवृत्त हो गईं। लेकिन बाद में 2021 में पति की मौत के बाद उन्होंने अपनी 10 साल की सेवा (2 नाबालिग बच्चियों की देखभाल, भविष्य की जिम्मेदारी का भार का मुद्दा शामिल) के आधार पर एक बार फिर से वायुसेना में शामिल होने के लिए आवेदन किया। जिसे बल ने अस्वीकार कर दिया था। फिर मामला सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) के पास पहुंचा और वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। अंत में प्रियंका ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। एएफटी ने हालांकि सरकार से ये जांच करने के लिए कहा था कि क्या सेवामुक्त होने और बाद में सेवारत कर्मियों की विधवा बनने वाली महिला एसएससी अधिकारियों के लिए कोई नीति बनाई जानी चाहिए?

असाधारण शक्तियों का प्रयोग कर दिया न्याय

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी.मोहना की पीठ ने एएफटी के आदेशों के खिलाफ सक्सेना की अपील को स्वीकार किया। साथ ही संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्रदत्त अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित किया। जिसे कोर्ट ने विशिष्ट तथ्यों का मामला बताते हुए ये भी स्पष्ट किया कि भविष्य में इसे मिसाल के रूप में नहीं लिया जाएगा। हालांकि प्रियंका की पात्रता को जायज ठहराते हुए न्यायालय ने कहा कि दो अलग-अलग आधारों पर वो इसके लिए पात्र हैं। जिसमें से एक पूर्व वायुसेना अधिकारी होने के नाते और दूसरा एक वायुसेना अधिकारी की विधवा होने की वजह से उनकी पुनः तैनाती को वैध पाया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि उनके दिवंगत पति के राष्ट्र के प्रति योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

वायुसेना में 1800 से अधिक महिला अधिकारी

गौरतलब है कि वर्तमान में वायुसेना में कुल करीब 1800 से अधिक महिला अधिकारी हैं। यह बल का लगभग 13.69% है। तीनों सशस्त्र सेनाओं में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा है। वायुसेना में फ्लाइंग (फाइटर पायलट, नेविगेटर, ट्रांसपोर्ट और हेलिकॉप्टर पायलट) और ग्राउंड ड्यूटी जैसी दो शाखाओं में महिलाएं तैनात हैं। थलसेना में महिला अधिकारियों की संख्या 1 हजार 733 है। जबकि अन्य रैंकों में 100 महिलाएं काम कर रही हैं। नौसेना में महिलाओं का आंकड़ा 1 हजार 306 (अधिकारी 580, अग्निवीर 726) है।

नवप्रीत सिंह का तुर्किए से प्रत्यर्पण सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बताया कि भारत सरकार ने कथित नार्को-ट्रैफिकिंग सरगना नवप्रीत सिंह को तुर्किए से भारत वापस लाने में कामयाबी हासिल की है।

नवप्रीत सिंह के खिलाफ ड्रग्स की तस्करी और अन्य आपराधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इसे मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए इस कार्रवाई में शामिल सभी एजेंसियों को बधाई दी। अमित शाह ने एक्स पर कहा कि नवप्रीत सिंह ने 'नवाब विर्क' की कथित फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर तुर्किए की नागरिकता हासिल की थी। अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन और मेथामफेटामाइन की कथित तस्करी में सक्रिय रहा। शाह के मुताबिक, भारतीय एजेंसियों ने नवप्रीत सिंह का पता लगाया और उसकी वास्तविक पहचान का खुलासा किया।

भारतीय पायलट माछर से की मुलाकात

दुबई के क्राउन प्रिंस ने अस्पताल में भारतीय पायलट का चूम लिया माथा


अस्पताल पहुंचे प्रिंस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड 1073 में जानलेवा हमले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित माछर से शनिवार को दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के उपप्रधानमंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने अस्पताल में मुलाकात की। उन्होंने कैप्टन माछर के साहस और जिम्मेदारी की जमकर सराहना की। अस्पताल में मुलाकात के दौरान शेख हमदान ने कैप्टन स्मित माछर से बातचीत की और उन्हें गले लगाया। तस्वीरों में वह भारतीय पायलट का माथा चूमते हुए भी नजर आए।



रूसी सेना में अवैध रूप से भारतीय नागरिकों की भर्ती

140 नागरिकों की हुई घर वापसी 55 को वापस लाने के प्रयास तेज


विदेश मंत्री जयशंकर भारत-रूस सलाहकार संसदीय समिति की बैठक के सदस्यों के साथ

नॉर्दर्न सी रूट पर भी की बात

बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ाने वाले कई अहम प्रोजेक्ट भी बैठक के एजेंडे में रहे। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर, इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) और नॉर्दर्न सी रूट को लेकर दोनों पक्षों ने चर्चा की।

भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में प्रमुखता से उठा मुद्दा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती का मुद्दा भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में प्रमुखता से उठा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया कि रूसी सेना में शामिल भारतीयों को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए रूसी अधिकारियों से लगातार बातचीत चल रही है और इस मुद्दे को उच्च स्तर पर भी उठाया गया है। अब तक करीब 140 भारतीय नागरिकों को रूसी सेना से मुक्त कराया जा चुका है।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें जारी

भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने और शांति बहाल करने की दिशा में भारत की हालिया कोशिशों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जयशंकर ने पीएम नरेंद्र मोदी की बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान पीएम मोदी ने साफ कहा था कि अब अंतहीन युद्ध का दौर खत्म होना चाहिए और युद्ध की जगह शांति की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है।बैठक में विदेश मंत्री ने अपनी पिछले महीने हुई यूक्रेन यात्रा का भी उल्लेख किया गया। इसके अलावा न्यूयॉर्क में रूस और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों के साथ हुई उनकी मुलाकातों पर भी चर्चा हुई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109